सतना
04 अप्रैल 2026 शनिवार
दैनिक
मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ममता बोलीं- वोटर लिस्ट में घुसपैठिए तो मोदी कैसे जीते, पहले वे इस्तीफा दें

तमिलनाडु में बीजेपी के 27 उम्मीदवार घोषित, केंद्रीय मंत्री मुरुगन को टिकट

नई दिल्ली/ कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि अगर वोटर लिस्ट में घुसपैठियों के नाम थे, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी उनके वोट से जीत चुके हैं। ऐसे में उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए। ममता ने दक्षिण दिनाजपुर में चुनावी रैली के दौरान कहा कि अधिकारियों के तबादले इस तरह किए गए, जिससे बाहरी लोगों का पश्चिम बंगाल में आना आसान हो सके। मालदा में दो दिन पहले न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना पर ममता बनर्जी ने AIMIM और ISF को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर भी इस मामले में उकसाने का आरोप लगाया।

इधर, तमिलनाडु में भाजपा ने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन को अविनाशी (SC) सीट से टिकट दिया है।

कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए काम नहीं किया, मोदी सरकार ने बजट बढ़ाया : असम के गोलपाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ने आती है, लेकिन उसने आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए कभी काम नहीं किया।

उन्होंने कहा कि 75 साल तक कांग्रेस ने किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया। कि मोदी सरकार ने आदिवासी कल्याण के बजट में भी बड़ा इजाफा किया। उन्होंने कहा कि आजादी से 2013 तक आदिवासी विकास के लिए 25 हजार करोड़ रुपए का बजट था, जिसे बढ़ाकर 1.38 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया।

अमित शाह बोले- सभी घुसपैठियों की पहचान कर ली है, एक-एक को हटाएंगे

असम के गोलपाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार दो बार बन चुकी है और सभी घुसपैठियों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि समय कम था, लेकिन अगर उन्हें पांच साल और दिए गए तो चिन्हित घुसपैठियों को एक-एक कर हटाया जाएगा।

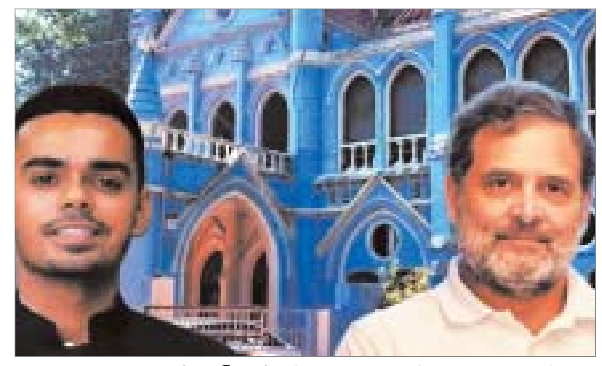

अब हाईकोर्ट में आमने-सामने होंगे राहुल गांधी और कार्तिकेय

● भोपाल MP-MLA कोर्ट के समन को राहुल ने दी चुनौती, अगले हफ्ते सुनवाई

जबलपुर,एजेंसी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जल्द ही कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी और शिवराज परिवार आमने-सामने होंगे। मामला मानहानि केस से जुड़ा है। इसे लेकर राहुल गांधी ने एमपी एमएलए कोर्ट के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की बेंच एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगी।

29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में किया था पनामा पेपर लीक का जिक्र : यह विवाद 29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में हुई एक चुनावी सभा से शुरू हुआ था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पनामा पेपर लीक मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे कार्तिकेय चौहान का नाम शामिल है। हालांकि, बाद में राहुल ने इसे कंफ्यूजन बताया था, लेकिन कार्तिकेय ने इसे छवि खराब करने की साजिश बताते हुए मानहानि का केस दर्ज कराया।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूटने वाली लड़की हिंदू निकली

खिलौना पिस्टल दिखाकर 3.6 लाख का हार लूटा, बॉयफ्रेंड के साथ बाइक से भागी थी

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली लड़की हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। लड़की का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है।

वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट ली। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। गुरुवार को 12.30 बजे हुई वारदात ज्वैलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है।शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

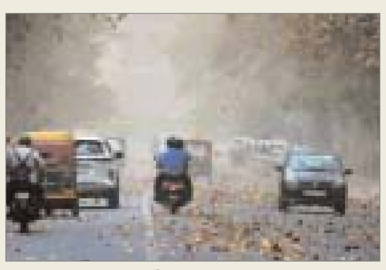

हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में एवलांच की आशंका

म.प्र.-राजस्थान और हरियाणा में बारिश, 9 राज्यों में अलर्ट; दिल्ली में धूलभरी आंधी चली

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/शिमला, एजेंसी। देश के कई राज्यों में अगले तीन दिन मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में एवलांच की आशंका जताई गई है। हिमाचल के अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल इलाके में एवलांच के खतरे को देखते हुए पर्यटकों की एंट्री पर रोका लगा दी है। वहीं जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में लोगों को पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

इधर, मध्य प्रदेश के 15 जिलों में गुरुवार को बारिश हुई। मऊगंज में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। वहीं राजस्थान के सभी जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। जैसलमेर में शुक्रवार सुबह बारिश हुई। हरियाणा के हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में गुरुवार को आंधी चली। दो दिन पहले हुई बारिश में करीब 100 गांवों में गेहूं, सरसों और चने की फसल को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में भी शुक्रवार सुबह धूलभरी आंधी चली। इससे कई हिस्सों में विजिबिलिटी कम हो गई।

अमेरिका ने जंग के बीच 3 आर्मी अफसरों को हटाया

राष्ट्रपति ट्रम्प बोले: ईरान से डील नहीं हुई तो उपराष्ट्रपति दोषी, समझौता हुआ तो क्रेडिट मेरा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग के बीच आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज के अलावा दो और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी पद से हटाने का फैसला किया है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हटाए गए अफसरों में आर्मी के ट्रांसफॉर्मेशन एंड ट्रेनिंग कमांड के चीफ जनरल डेविड होडने और आर्मी के चैपलिन कॉर्प्स के चीफ जनरल विलियम ग्रीन जूनियर शामिल हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से समझौते को लेकर कहा, 'अगर यह डील नहीं हुई, तो मैं उपराष्ट्रपति जेडी वैंस को दोषी ठहराऊंगा। अगर यह हो जाती है, तो मैं इसका पूरा क्रेडिट लूंगा।' ट्रम्प ने यह बात व्हाइट हाउस में आयोजित इस्टर लंच के दौरान मजाक करते हुए कहा।

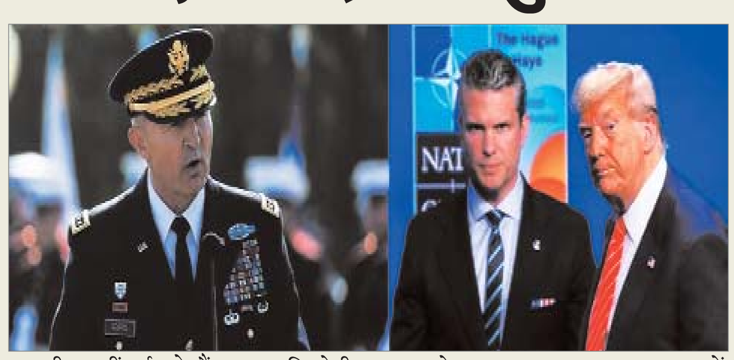

होर्मुज पर ह में वोटिंग टली, अब शनिवार को होगा फैसला :

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्रस्ट) में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग कल के लिए टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है। बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद दुनिया के बाजार को सुरक्षित रखना और सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक में रुकावट को रोकना है।

फ्लाइट में 60% सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक:सरकार ने 15 दिन में फैसला बदला

कई एयरलाइंस ने आपत्ति जताई थी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60% सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60% सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था।मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60% सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा।

मौजूदा नियम 20% सीटों पर ही लागू होता है : मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20% सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

हर पशु पर रोजाना 30 रुपए वसूलेगी सरकार, विपक्ष बोला- यह रेवेन्यू जुटाने का तरीका

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'गोबर टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

चारधाम यात्रा 2026 पर युद्ध का साया, रजिस्ट्रेशन में गिरावट

बुकिंग लेने से कतरा रहे ट्रैवल ऑपरेटर्स; पर्यटन व्यवसायियों की बढ़ीं मुश्किलें

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली चारधाम यात्रा पर इस बार वैश्विक तनाव और युद्ध के हालात का गहरा साया मंडरा रहा है। यात्रा शुरू होने से पहले ही बुकिंग में आई गिरावट ने पर्यटन कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले साल यात्रा के शुरुआती 26 दिनों में ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी और पंजीकरण का आंकड़ा 17 लाख के पार पहुंच गया था। इस साल स्थिति उलट है; अब तक केवल 11,07,841 श्रद्धालुओं ने ही पंजीकरण कराया है। 19 अप्रैल से शुरू होने वाली यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन में आई यह गिरावट पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है।

1971 के नायक रहे राजस्थान के सपूत को बांग्लादेशी सम्मान

22 साल की उम्र में अंतिम सांस तक पाकिस्तानी ठिकानों पर करते रहे थे बमबारी

पिलानी (झुंझुनूं), एजेंसी। 1971 के भारत-पाक युद्ध में मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले पिलानी (झुंझुनूं) के शहीद धर्मपाल डूडी के अदम्य साहस को आधी सदी बाद एक नई पहचान मिली है। बांग्लादेश सरकार ने शहीद के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उनके परिवार को 'विशेष प्रशस्ति पत्र' और 'राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न' भेंट किया।गुरुवार को जब सेना के अधिकारी यह सम्मान लेकर शहीद के पैतृक गांव धींधवा पहुंचे, तो पूरा माहौल 'शहीद धर्मपाल अमर रहे' के नारों से गूंज उठा।

54 साल का इंतजार, 2018 में जारी हुआ था पत्र, अब पहुंचा घर : बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हमीद के हस्ताक्षरों वाला यह सम्मान पत्र 27 नवंबर 2018 को जारी किया गया था।

प्रशासनिक कारणों से इसे पहुंचने में देरी हुई, लेकिन गुरुवार दोपहर 2:30 बजे जब 65 मीडियम रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट विक्रांत, हवलदार रामबीर और अग्निवीर जीतू सिंह गांव पहुंचे, तो शहीद की यादें फिर ताजा हो गईं। जवानों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें सलामी दी।

आईएनएस तारागिरी नेवी में शामिल हुआ:यह ब्रह्मोस और एयर डिफेंस सिस्टम से लैस

राजनाथ बोले- सेना की ताकत बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। INS तारागिरी शुक्रवार को विशाखापत्तनम में इंडियन नेवी में शामिल हुआ। डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह इस सेरेमनी में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जब भी कोई संकट आता है चाहे वह रेस्क्यू ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो। हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है। INS तारागिरी की कमीशनिंग से हमारी नेवी की ताकत और बढ़ेगी।

तारागिरी को मझगांव डॉक शिप बिल्डिंग लिमिटेड ने प्रोजेक्ट 17-ए के तहत तैयार किया है। वॉरशिप में ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफस्टार(रडार), मीडियम रेंज सर्फेस टु एयर मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम लगा हुआ है।

इसके अलावा यह 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन वेपन सिस्टम के साथ एंटी सबमरीन रॉकेट और टॉरपीडो से भी लैस है। वहीं भारत की स्वदेशी न्यूक्लियर सबमरीन 'अरिदमन' को भी नेवी में शामिल किया गया।

यह नीलगिरि-क्लास का चौथा युद्धपोत है : भारत की नीलगिरी क्लास (Project 17A) में कुल 7 स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। तारागिरी इस क्लास का चौथा युद्धपोत है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट 17-ए युद्धपोत को आगे आने वाली समुद्री चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

'तारागिरी' उसी नाम के पुराने युद्धपोत का एडवांस्ड वर्जन है, जिसने 1980 से 2013 तक नौसेना में 33 सालों तक सेवा दी थी। नई 'तारागिरी' हाईटेक स्टेल्थ तकनीक, बेहतर मारक क्षमता, अत्याधुनिक ऑटोमेशन और मजबूत सर्वाइवेबिलिटी से लैस है।

इस युद्धपोत को वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट 17-ए के युद्धपोत में पिछली पी-17 (शिवालिक) क्लास की तुलना में अधिक आधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं।

मानेसर नगर निगम का बड़ा कदम, सड़कों किनारे टाइल्स लगाकर धूल मुक्त करेंगे शहर

मानेसर, एजेंसी। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सड़कों किनारे धूल दिखाई नहीं देगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा सड़कों किनारे इंटरलाकिंग टाइल लगाई जाएंगी। नगर निगम मानेसर द्वारा 19 सड़कों के दोनों तरफ फूटपाथ बनाने और टाइल्स लगाने की योजना तैयार की है। इसके लिए नगर निगम की वित्त एवं संविदा समिति की मंजूरी मिल चुकी है। सड़कों को धूल मुक्त करने के लिए करीब 47 करोड़ रुपये नगर निगम द्वारा खर्च किए जाएंगे। तारकोल से बनी सड़कों को किनारे से पक्का किया जाएगा। कहीं भी धूल एकत्रित न हो इसके लिए यह कदम उठाए गए हैं। धूल उड़ने से लगातार प्रदूषण स्तर बढ़ रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की द्वारा कराए गए सर्वे के बाद नगर निगम को की गई सिफारिश पर यह कार्य किया जाएगा। पिछले वर्ष मानेसर का प्रदूषण स्तर पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा था। इससे पूरे देश में किरकिरी हुई थी। इन कार्यों के लिए नगर निगम द्वारा वित्तीय मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद कार्य शुरू होगा। नगर निगम के एक्सईएन मनदीप धनखड़ का कहना है कि सड़कों किनारे टाइल लगाने के कार्यों को लेकर जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। **इन सड़कों किनारे लगाई जाएंगी टाइल :** नगर निगम की डिवीजन एक के नौ और डिवीजन दो की दस सड़कों किनारे टाइल्स लगाकर पक्का किया जाएगा। डिवीजन एक में हयातपुर से गांव गढ़ी की सड़क निर्माण पर एक करोड़ 54 लाख, शिकोहपुर गांव में मुख्य सड़क के निर्माण पर 2 करोड़ 82 लाख रुपये, गांव भांगरौला से बास रोड़ के निर्माण पर 2 करोड़ 82 लाख रुपये, पटौदी रोड़ से ढ़ोरका में डेढ़ किलोमीटर सड़क के निर्माण पर 4 करोड़ 26 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं, गांव गढ़ी से हरसरू में सड़क, फुटपाथ व नाले के निर्माण पर 2 करोड़ 88 लाख रुपये, गांव बामड़ौली की मुख्य सड़क के बचे हुए कार्यों पर एक करोड़ 43 लाख रुपये, पटौदी रोड़ से गांव मेवका तक सड़क निर्माण पर 4 करोड़ 56 लाख रुपये, गांव हयातपुर से ढाणा रोड़ के निर्माण पर 5 करोड़ 21 लाख रुपये, गांव हयातपुर स्थित किडजी स्कूल से गांव नवादा के नयाशा पेट्रोल पंप तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ 22 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार डिवीजन दो में एनएच 48 से गांव नैनवाल तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ 5 लाख रुपये, कोटा खंडेवला से गांव बार गुर्जर तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ 13 लाख रुपये, गांव बार गुर्जर से बाबा मोहन राम मंदिर तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ 17 लाख रुपये, गांव नैनवाल से खाती ढ़ाणी और मुंशी ढ़ाणी तक सड़क निर्माण पर एक करोड़ 19 लाख रुपये खर्च होंगे।

वहींकोटा खंडेवला से गांव बार गुर्जर के बाबा मोहन राम मंदिर तक सड़क निर्माण पर 1 करोड़ 72 लाख रुपये, गांव कोटा खंडेवला से गांव नौरंगपुर जाने वाले रास्ते के निर्माण पर 6 करोड़ 40 लाख रुपये, एनएच 48 से सहरावन गांव तक सड़क का निर्माण 2 करोड़ 22 लाख रुपये में होगा। इसी प्रकार एनएच 48 से गांव कुकड़ौला की सड़क निर्माण पर एक करोड़ 81 लाख रुपये, एनएच 48 स्थित रामपुरा चौक से गांव नखड़ौला जाने वाले रास्ते के निर्माण पर एक करोड़ 32 लाख रुपये और गांव मानेसर को कासन स्थित पूरण भगत मंदिर से जोड़ने वाले मुख्य रास्ते के निर्माण पर नगर निगम मानेसर 2 करोड़ 13 लाख रुपये खर्च होंगे।

दिल्ली के नवीन शाहदरा में आवारा कुत्तों का आतंक, लोग घरों में कैद; आंखें मूंदे बैठे निगम के अधिकारी

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के नवीन शाहदरा स्थित एल और जे ब्लाक में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। क्षेत्र में पिछले तीन महीनों से लगातार कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बीते एक माह में ही करीब पांच लोगों को आवारा कुत्तों ने काट लिया है, जिससे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है। सुनील जैन ने बताया कि गली में रोजाना 10 से 12 आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं, जो अचानक राहगीरों और बच्चों पर हमला कर देते हैं। खासकर सुबह और शाम के समय स्थिति अधिक खतरनाक हो जाती है। बच्चों का स्कूल जाना और नौकरीपेशा लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। निवासियों ने इस समस्या को लेकर निगम में लिखित शिकायत भी दी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद निगम की ओर से केवल आश्वासन ही मिल रहा है। निवासियों ने जल्द से जल्द आवारा कुत्तों को पकड़ने और इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो सके। उधर, पार्षद रितेश सूजी ने बताया कि कोर्ट के आदेश के चलते कुत्तों को पकड़ा नहीं जा सकता। कुत्तों की नसबंदी का काम लगातार जारी है। यह भी पढ़ें- ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-2 में आवारा कुत्तों का आतंक, एक महीने में 10 लोग हुए शिकार; कब जागेगा प्राधिकरण? आवारा कुत्ते की वजह से अकेले घर से बाहर नही निकल सकते। घरेलू सहायिका पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आने से आस-पास के लोग काफी परेशान है। - मंजु गुप्ता निगम से कई बार शिकायत के बाद भी समाधान नही निकला। पार्षद को भी समस्या के बारे में अवगत कराया परंतु उन्होंने आश्वासन देकर लौटा दिया। बच्चे घर के बाहर खेलने से डरने लगे है। कई बार तो हाथ से खाने पीने का सामान भी झपट लेते है। निगम अधिकारियों से अनुरोध है कि जल्द से जल्द समस्या से मुक्ति दिलाई जाए।

300 करोड़ में बनेंगी सड़कें, सिग्नेचर सिटी में बनेगा नया फायर स्टेशन

गाजियाबाद, एजेंसी। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही नए विकास कार्य भी जल्द शुरू होंगे। गाजियाबाद जिले में 300 करोड़ रुपये से सड़कों का निर्माण कार्य कराया जाएगा और लोनी स्थिति ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी में फायर स्टेशन बनाया जाएगा। फायर स्टेशन बनाने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट में आयोजित उद्योग बंधु की बैठक में ये जानकारी सम्बंधित विभाग के अधिकारियों ने सीडीओ को दी। बैठक में साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा रुपये लेकर सरकारी जमीन पर मीट की दुकानें खुलवाने और कबाड़ खरीदने खुलवाने की शिकायत की गई, इस पर सीडीओ ने संबंधित के खिलाफ एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। सीडीओ ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पेयजल, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर किया जाए। विकास से जुड़े जो निर्माण कार्य अधूरे हैं, उनको जल्द पूरा किया जाए।

शरीर और मन दोनों को संतुलन प्रदान करता है वृक्षासन

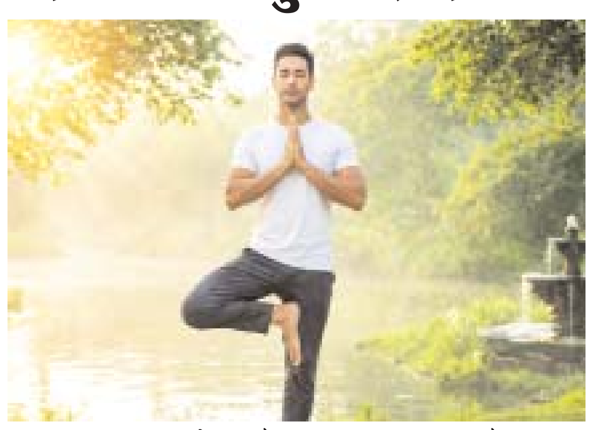

नई दिल्ली , एजेंसी। तनाव भरी जीवनशैली में मानसिक शांति के लिए योग को प्रभावी उपाय माना जाता है। योगासनों में वृक्षासन एक ऐसा अभ्यास है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलन प्रदान करने में मदद करता है। संस्कृत शब्द 'वृक्ष' का अर्थ पेड़ होता है और इस आसन का नाम भी उसी से लिया गया है।

जिस तरह पेड़ अपनी जड़ों के सहारे मजबूती से खड़ा रहता है और तेज हवा या बारिश में भी स्थिर बना रहता है, उसी प्रकार यह आसन व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों के बीच भी शांत और संतुलित रहने की प्रेरणा देता है। विशेषज्ञों के अनुसार वृक्षासन शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने वाला एक प्रभावी योगासन है। इसे एक पैर पर खड़े होकर नमस्कार मुद्रा में किया जाता है, जिससे शरीर की स्थिरता और संतुलन क्षमता विकसित होती है। नियमित अभ्यास से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन धीरे-धीरे बेहतर होने लगता है।

इसके साथ ही यह आसन ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार वृक्षासन एक संतुलनकारी योगाभ्यास है, जो मानसिक स्पष्टता, एकाग्रता और शारीरिक स्थिरता को बढ़ाने में मदद करता है। इसका नियमित अभ्यास रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और पैरों की मांसपेशियों को टोन करने में भी सहायक होता है। इसके अलावा यह शरीर के 'न्यूरो-मस्कुलर को-ऑर्डिनेशन' को बेहतर बनाकर शरीर और दिमाग के बीच तालमेल को मजबूत करता है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह आसन वात दोष को संतुलित करने में भी मदद करता है और तनाव को कम करने में सहायक साबित हो सकता है।

योग विशेषज्ञ बताते हैं कि इस आसन का अभ्यास सुबह खाली पेट करना सबसे अधिक लाभकारी माना जाता है। सुबह के समय शरीर और मन दोनों अपेक्षाकृत शांत रहते हैं, जिससे आसन का प्रभाव बेहतर तरीके से मिलता है।

हालांकि यदि समय की कमी के कारण इसे शाम के समय करना हो तो भोजन के कम से कम चार से छह घंटे बाद ही इसका अभ्यास करना चाहिए। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि वृक्षासन करने से पहले शरीर को तैयार करने के लिए कुछ अन्य योगासन करना उपयोगी होता है। इनमें त्रिकोणासन, वीरभद्रासन और बद्ध कोणासन शामिल हैं, जो शरीर को लचीला बनाने और संतुलन सुधारने में मदद करते हैं।

फरीदाबाद में फिर बादल छाने से किसान परेशान, गेहूं कटाई के बीच गुणवत्ता खराब और मंडी में भाव भी घटे

फरीदाबाद, एजेंसी। दो दिन के बाद फिर से आसमान में घने बादल छाए होने और ठंडी हवा चलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसल कटाई का काम जोरों से चल रहा है। मंडी में भी फसल की आवक पूरे जोर पर है। यदि वर्षा हो गई तो कटाई का काम रुक जाएगा। गेहूं की गुणवत्ता इस बार पहले से ही खराब हो चुकी है। दाना पतला पड़ गया है और काला दिखाई दे रहा है। मंडी में किसानों से लस्टर लास के नाम पर एक कुंतल गेहूं पर डेढ़ किलो अतिरिक्त गेहूं लिया जा रहा है। हालांकि सरकार समर्थन मूल्य पर 2585 रुपये प्रति कुंतल खरीद रही है। जबकि व्यापारी इस फसल को 2350 से 2400 रुपया प्रति कुंतल खरीद रहे हैं। किसान फसल को हार्वेस्टर से ज्यादा काटने में लगे हुए हैं। ताकि जल्दी फसल कट कर घर और मंडी पहुंच जाए।

अमेरिका में बड़ा हेल्थकेयर घोटाला, पचास मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का भंडाफोड़, नर्स-डॉक्टर समेत आठ गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के तहत कैलिफोर्निया में एफबीआई ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने झूठे होस्पिस केयर केंद्र चलाकर मेडिकेयर से करीब 50 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। आरोपियों में नर्स, डॉक्टर, साइकोलॉजिस्ट और कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। जांच में पता चला कि मरीजों को वास्तविक टर्मिनल बीमारी के बिना दाखिल कर बिल बनाया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली और टैक्सदाताओं को भारी नुकसान हुआ। बता दें कि यह कार्रवाई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले टास्क फोर्स टू एलीमिनेट फ्रॉड के सहयोग से की गई। एफबीआई और अभियोजन के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में तीन नर्सें, एक डॉक्टर, एक साइकोलॉजिस्ट और एक कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे मरीजों को होस्पिस में दाखिल कर बिल बनाया, जिनकी वास्तव में टर्मिनल बीमारी नहीं थी। आमतौर पर होस्पिस में लोग जीवन के अंतिम चरण में जाते हैं, लेकिन इन केंद्रों में मरीजों की जीवित रहने की दर राष्ट्रीय औसत 17% से पांच गुना ज्यादा थी। ग्लैडविन और एमेलौ गिल- 626 होस्पिस के मालिक, जिन पर 5.2 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने और गैरकानूनी किकबैक देने का आरोप। लोलीता बेरोनिला मिनर्ड- टोपांगा होस्पिस की मालिक, जिन पर 9 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप।सोनिया ग्रिफेन- हेल्थकेयर फ्रॉड में पांच मामलों में आरोपित। ग्रेगरी कार्टमेल- कायरोप्रैक्टर, हेल्थकेयर फ्रॉड और आईडेंटिटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार। इवान वर्न लॉरिट्जन- वैली पैसिफिक होस्पिस के सीईओ और सीएफओ, जिनकी मेडिकेयर एनरोलमेंट 2024 में रद्द हो चुकी थी। नीता अल्मुएटे पड्डिट पाल्मा और पति अदोल्फो कैटबैगन- तीन झूठे होस्पिस केंद्र चलाने और वायर फ्रॉड करने के आरोप। मामले में एफबीआई के लॉस एंजिलेस क्षेत्र के सहायक निदेशक अकील डेविस ने कहा कि दक्षिण कैलिफोर्निया हेल्थकेयर धोखाधड़ी के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

आर्टेमिस-2 मिशन ने पार की पृथ्वी की कक्षा, 54 साल बाद चंद्रमा की ओर बढ़ा मानव दल

फ्लोरिडा, एजेंसी। नासा के आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस मिशन का मानव दल सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर अब चंद्रमा की ओर अग्रसर हो चुका है। यह कदम मानवता की गहरे अंतरिक्ष में वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। नासा के अनुसार, ओरियन अंतरिक्ष यान ने एक अहम ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस प्रक्रिया के तहत यान के मुख्य इंजन को लगभग छह मिनट तक चलाया गया, जिससे यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकलकर चंद्रमा की ओर निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर गया। इस दौरान करीब 6,000 पाउंड का थ्रस्ट उत्पन्न हुआ, जिसने यान को सटीक दिशा में आगे बढ़ाया।

पांच मिनट से ज्यादा चला ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न: मिशन प्रबंधन टीम ने इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए सर्वसम्मति से 'गो' सिग्नल दिया था। यह बर्न कुल 5 मिनट 49 सेकंड तक चला। इसके सफलतापूर्वक पूरा होने के साथ ही अंतरिक्ष यात्री 1972 के अपोलो 17 के बाद पहली बार चंद्रमा के चारों ओर यात्रा करने के लिए आधिकारिक रूप से रवाना हो गए हैं।

नासा बोला- अमेरिका के लिए निर्णायक पलः नासा के प्रमुख जेरेड इसाकमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की पुष्टि करते हुए कहा कि ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और आर्टेमिस-2 का दल अब चंद्रमा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने इसे एजेंसी के लिए एक निर्णायक क्षण बताते हुए कहा कि अमेरिका एक बार फिर अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा भेजने के मिशन में सक्रिय हो गया है।

आर्टेमिस-2 मिशन में ये चार अंतरित्र यात्री शामिलः इस मिशन में क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, रीड वाइसमैन के साथ कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है। प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है।

पाकिस्तान में त्राहिमाम: पेट्रोल 458, डीजल 500 के पार; दाम देख आवाम के छूटे पसीने

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग के साथ वैश्विक तेल कीमतों में उछाल पाकिस्तान की जनता पर कहर बनकर टूट रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान की सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि की घोषणा की है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 43 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल में 55 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है, जो तुरंत लागू हो गई है। नई दरों के तहत पेट्रोल की कीमत 137.23 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 458.41 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 184.49 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 520.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा केरोसिन की कीमत में भी 34.08 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सरकार ने डीजल की कीमतों के असर को सीमित करने के लिए पेट्रोलियम लेवी में बदलाव किया है। पेट्रोल पर लेवी बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

कठिन, लेकिन जिम्मेदार फैसला पाकिस्तानी:पेट्रोलियम मंत्री: पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने एक न्यूज चैनल पर कहा कि ये कठिन लेकिन जिम्मेदार फैसले व्यापक स्तर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सैन्य नेतृत्व और प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद जरूरतमंद वर्गों तक ही सब्सिडी सीमित रखना और आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

इन लोगों को मिलेगी सब्सिडी: सरकार ने राहत उपायों के तहत दोपहिया वाहन चालकों को तीन महीने तक प्रति माह 20 लीटर तक 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी देने की घोषणा की है। छोटे किसानों को फसल के समय एक बार के लिए 1,500 रुपये प्रति एकड़ की सहायता मिलेगी।

डीजल आधारित माल और यात्री परिवहन के लिए भी 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी हर महीने समीक्षा होगी।खाद्य आपूर्ति में लगे ट्रकों को 70,000 रुपये प्रति माह, बड़े ट्रकों को 80,000 रुपये और इंटर-सिटी सार्वजनिक परिवहन वाहनों को एक लाख रुपये प्रति माह की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा पाकिस्तान रेलवे को भी सब्सिडी प्रदान की जाएगी, ताकि किराया नियंत्रित रह सके।

अमेरिका में विदेशी दवाओं पर अब लग सकता है 100प्रतिशत तक टैरिफ, ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर किया हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक नया कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत विदेशी दवाओं पर 100 प्रतिशत तक की आयात दर (टैरिफ) लगाने का रास्ता खुल गया है। यह आदेश उन दवाओं पर लागू होगा जिनके लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ विशेष कीमत समझौता नहीं होगा या जिनकी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में नहीं बनाई जा रही हैं। जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं बना रही हैं और कीमत समझौता कर चुकी हैं, उनके लिए कोई टैरिफ नहीं लगेगा। दूसरी ओर जिन कंपनियों ने समझौता नहीं किया लेकिन अमेरिका में उत्पादन कर रही हैं, उन पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार साल में बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा। प्रशासन ने कंपनियों को 120 से 180 दिनों तक बातचीत करने का समय दिया है।

कल्याण वर्ष में बड़ी पहल: अब किसानों को समय पर मिलेगा सटीक मौसम पूर्वानुमान

स्वचालित मौसम स्टेशन हुआ सक्रिय, फसल सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने में मिलेगी मदद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 'किसान कल्याण वर्ष' के अंतर्गत किसानों की आय बढ़ाने और फसलों को प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कृषि विज्ञान केंद्र सीधी में स्थापित स्वचालित मौसम स्टेशन अब पूरी तरह से क्रियाशील हो गया है जिससे किसानों को समय पर सटीक और अद्यतन मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अत्याधुनिक मौसम स्टेशन तापमान, आर्द्रता, हवा की गति एवं दिशा, वर्षा और वायुमंडलीय दबाव जैसे महत्वपूर्ण आंकड़ों को स्वत: रिकॉर्ड कर त्वरित रूप से

प्रसारित करता है इन आंकड़ों के आधार पर कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किसानों को नियमित रूप से सलाह दी जा रही है जिससे वे मौसम के अनुरूप अपनी कृषि गतिविधियों की योजना बनाकर संभावित नुकसान से बच सकें इस पहल के माध्यम से किसान अब असमय वर्षा तेज हवाओं या अचानक तापमान परिवर्तन जैसी परिस्थितियों के प्रति पहले से सतर्क रह पाएंगे इससे न केवल फसल क्षति में कमी आएगी बल्कि उत्पादन में वृद्धि और आर्थिक नुकसान में भी कमी आने की संभावना है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख शैलेन्द्र गौतम ने बताया कि मौसम स्टेशन से प्राप्त डाटा के आधार पर किसानों को समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह दी जा रही है वहीं उपसंचालक कृषि राजेश सिंह चौहान ने जानकारी दी कि अधिक से अधिक किसानों को किसान सारथी पोर्टल से जोड़ा जा रहा है,ताकि उन्हें एसएमएस के माध्यम से मौसम एवं कृषि संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे प्राप्त हो सकें। उन्होंने बताया कि अब तक 31 हजार से अधिक किसान इस पोर्टल से जुड़ चुके हैं और शेष किसानों को भी तेजी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है जिन किसानों को अभी तक एसएमएस अलर्ट प्राप्त नहीं हो रहे हैं वे अपने नजदीकी कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं इसके अतिरिक्त विभागीय व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से भी किसानों तक जानकारी पहुंचाई जा रही है यह पहल 'किसान कल्याण वर्ष' के उद्देश्यों-सशक्त किसान, सुरक्षित फसल और समृद्ध खेती-को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार: शिकायत पर अब त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। घरेलू गैस आपूर्ति को सुगम, पारदर्शी और उपभोक्ता अनुकूल बनाने के लिए जिले में प्रभावी पहल शुरू की गई है। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला नोडल अधिकारी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रताप गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान पाया गया कि 22 मार्च 2026 तक की बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं एजेंसी प्रबंधन के अनुसार वर्तमान में सामान्य दिनों की तुलना में बुकिंग की संख्या अधिक होने से बैकलॉग की स्थिति बनी है हालांकि कंपनी से गैस की आपूर्ति नियमित रूप से प्राप्त हो रही है और लंबित बुकिंग को शीघ्र पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं प्रशासन द्वारा गैस आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में जिले में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सिटी गैस वितरण योजना के तहत पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) परियोजना का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर पालिका सीधी, नगर परिषद रामपुर नैकिन एवं नगर परिषद चुरहट क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है नगर पालिका सीधी क्षेत्र में अब तक 147 परिवारों को परीक्षण के तौर पर पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं जल्द ही चुरहट और रामपुर नैकिन क्षेत्रों में भी पीएनजी सेवा का ट्रायल प्रारंभ किया जाएगा। इस व्यवस्था के लागू होने से भविष्य में उपभोक्ताओं की एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी और उन्हें अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक गैस आपूर्ति मिल सकेगी।

पोंडी-बस्तुआ क्षेत्र में बाघिन की मौजूदगी :संजय टाइगर रिजर्व जंगल में दिखी, छह साल पहले किया था रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व की बाघिन T 54 ने संघर्षों के बाद जंगल में अपनी पहचान स्थापित की है। दिसंबर 2020 में रेस्क्यू किए गए शावकों में से एक T54 जून 2024 में जंगल में छोड़े जाने के बाद अब पोंडी और बस्तुआ क्षेत्र में सफलतापूर्वक अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है। इस बाघिन की कहानी दिसंबर 2020 में शुरू हुई थी जब बाघिन T3 के दो शावकों को ब्यौहारी बफर क्षेत्र से रेस्क्यू किया गया था इन दोनों मादा शावकों को सुरक्षित रखने के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के एनक्लोजर में रखा गया था। लगभग एक साल बाद 2 दिसंबर 2021 को इन शावकों को जंगल में फिर से बसाने की योजना बनाई गई एक शावक को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया जबकि दूसरी को संजय टाइगर रिजर्व के मोहन रेंज में

छोड़ा गया जो बाद में T32 के नाम से जानी गई वर्ष 2022 में ञ्र32 ने दो शावकों को जन्म दिया। हालांकि 12 मार्च 2023 को T32 की अचानक मौत हो गई जिससे उसके दो छोटे शावक अनाथ हो गए जंगल में उनके जीवित रहने की संभावना कम थी इसके बाद वन विभाग की टीम ने 17 मार्च 2023 को इन दोनों शावकों को रेस्क्यू कर दुबरी टाइगर एनक्लोजर में सुरक्षित रखा। समय के साथ इन शावकों में से एक मादा बाघ ञ्र54 के रूप में विकसित हुई। जून 2024 में उसे रेडियो कॉलर लगाकर बस्तुआ क्षेत्र में छोड़ा गया यह उसकी जंगल में वापसी और आत्मनिर्भरता की परीक्षा थी लगभग दो वर्षों की निरंतर निगरानी और सुरक्षा के बाद T54 ने पोंडी और बस्तुआ क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है उसने साबित कर दिया है कि वह जंगल में न केवल जीवित रहने में सक्षम है बल्कि पूरी तरह से स्थापित भी हो चुकी है। मार्च 2026 में जंगल में तीन नन्हें पगमार्क दिखने से मादा बाघ ञ्र54 के मां बनने के संकेत मिले हालांकि शावक कैमरे में कैद नहीं हो सके फिर भी वन विभाग में खुशी की लहर दौड़ गई।

महदेइया स्टेशन पर कोयला चोरी का आरोप :50 से अधिक लोग रैक से ले जाते दिखे कोयला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। महदेइया रेलवे स्टेशन से कोयला चोरी का एक वीडियो सामने आया है कि खड़ी हुई मालगाड़ी पर 50 से ज्यादा लोग चढ़कर खुलेआम कोयला लूट रहे हैं यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया जा रहा है। इस मामले में कुछ चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं सूत्रों की मानें तो कोयला माफिया, एनसीएल के सुरक्षाकर्मियों और रेलवे कर्मचारियों से साठगांठ करके इस खेल को अंजाम देते हैं इस चोरी से देश को हर साल करोड़ों रुपये के राजस्व का चूना लग रहा है खबर है कि गोरबी इलाके में सक्रिय कोल माफिया बिना किसी ठोस वजह के कोयले से लदी रैक (ट्रेन) को रुकवा देते हैं। इसके बाद बड़े पैमाने पर कोयला उतार लिया जाता है और उसे सस्ते दामों पर दूसरे राज्यों खासकर उत्तर प्रदेश भेज दिया जाता है। महदेइया स्टेशन के स्टेशन मास्टर अरविंद कुमार ने बताया कि उन्होंने इस पूरी घटना की लिखित जानकारी एनसीएल के अधिकारियों को दे दी है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका काम सिर्फ सूचना देना है कार्रवाई करना नहीं फिलहाल इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिससे प्रशासन के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं।

दो साल पहले बंटने आईं किताबें खंडहर में सड़ीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन में शिक्षा विभाग की लापरवाही सामने आई है यहां बच्चों को मुफ्त बांटने के लिए आई सैकड़ों सरकारी किताबें एक पुरानी जर्जर इमारत में सड़ती हुई मिली हैं। हैरानी की बात यह है कि यह इमारत जनपद शिक्षा केंद दफ्तर के बिल्कुल बगल में है। नमी और गंदगी की वजह से इन किताबों की हालत बहुत खराब हो चुकी है और अब ये पढ़ने लायक नहीं बची हैं जिस जगह ये किताबें रखी थीं वहां मवेशी भी घूमते रहते हैं जिससे किताबों को और ज्यादा नुकसान पहुंचा है। गांव के रहने वाले प्रशांत सिंह ने बताया कि ये किताबें करीब दो साल पहले बच्चों को बांटने के लिए आई थीं लेकिन न तो इन्हें बच्चों तक पहुंचाया गया और न ही वापस विभाग को भेजा गया।

विश्वविद्यालय की मांग लोकसभा में गूंजी, स्थापना तक जारी रहेगा संघर्ष: इंद्रलाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लंबे समय से लंबित विश्वविद्यालय स्थापना की मांग अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्र द्वारा इस मुद्दे को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उठाए जाने के बाद छात्रों और युवाओं में उत्साह का माहौल है जानकारी के अनुसार सीधी जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर छात्र-छात्राएं पिछले कई वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। सीधी विश्वविद्यालय संघर्ष समितिके माध्यम से इस मांग को कई बार शासन-प्रशासन तक पहुंचाया गया है इसी क्रम में हाल ही में समिति के प्रतिनिधियों ने सांसद डॉ. राजेश मिश्र को ज्ञापन सौंपकर संसद में इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया था। सांसद द्वारा लोकसभा में इस विषय को प्रमुखता से उठाए जाने की खबर मिलते ही छात्र समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई छात्रों ने इसे अपने आंदोलन की बड़ी उपलब्धि बताया है और उम्मीद जताई है कि अब इस दिशा में ठोस पहल होगी विश्वविद्यालय मांग आंदोलन का नेतृत्व कर रहे शोध छात्र इंद्रलाल पटेल ने टीम की ओर से सांसद डॉ. राजेश मिश्र के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि सांसद ने छात्रों की भावना को समझते हुए इस महत्वपूर्ण मुद्दे को राष्ट्रीय मंच पर उठाया है, जिसके लिए पूरा छात्र समुदाय उनका ऋणी रहेगा इंद्रलाल पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक सीधी जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं हो जाती तब तक छात्र-छात्राओं का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना से जिले के हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे और उन्हें अन्य शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। छात्रों का मानना है कि जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना होने से न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा की उपलब्धता से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। छात्र संघर्ष समिति ने उम्मीद जताई है कि केंद्र और राज्य सरकार इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर सीधी जिले के छात्रों को बड़ी सौगात प्रदान करेगी।

हनुमान प्रगटोत्सव पर निकली शोभायात्रा: रथ में भगवान हनुमान की झांकी सजाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। हनुमान प्रकटोत्सव पर रैली निकाली गई पूरे शहर में जय श्रीराम और हनुमान जी की जय के नारे लगे इस रैली में हनुमान जी की एक सुंदर झांकी भी सजाई गई थी। रैली शाम को साढ़े चार बजे माजन चौक के शिव मंदिर से निकली यह ताली, कॉलेज चौक, ट्रैफिक तिराहा, थाना रोड और काली मंदिर होते हुए मस्जिद तिराहे तक पहुंची रास्ते में लोगों ने फूल बरसाकर रैली का स्वागत किया। मस्जिद तिराहे पर पहुंचकर सबने मिलकर हनुमान चालीसा पढ़ी। इस कार्यक्रम में 500 से ज्यादा लोग शामिल हुए। रैली में शामिल युवकों ने कहा कि हर साल की तरह इस भी आयोजन भव्य रहा। इसमें जिलेभर के लोग शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ रैली में साथ चले स्थानीय भक्तों ने फूल बरसाकर शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। रैली में कोई गड़बड़ न हो इसके लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे। मौके पर एसडीएम, दो एसडीओपी, चार थानेदार और 50 से ज्यादा पुलिसवाले तैनात रहे अफसरों ने बताया कि पूरी रैली शांति से निकल गई।

01 मई मजदूर दिवस पर नगर निगम में कवि सम्मेलन की परम्परा हो पुनर्जीवित : डिगवानी

हिन्दू धर्म परिषद एवं कलम परिवार का विनम्र अनुरोध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर का हृदय स्थल पदमधर पार्क इस बात का साक्षी रहा है कि यहां प्रतिवर्ष 01 मई मजदूर दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाता था इस आयोजन में देश भर के नामी कवि एवं शायर अपनी प्रस्तुतियों से नगरवासियों और रचनाकारों को सुनने, देखने और सीखने का अवसर प्रदान करते थे। देर रात तक चलने वाले इन कवि सम्मेलनों में भारी संख्या में सुधी श्रोता उपस्थित रहते थे। तत्कालीन निगम के जनसंपर्क अधिकारी एवं कवि जगजीवनलाल तिवारी के कार्यकाल तक उनकी सक्रिय सहभागिता से यह परम्परा निरंतर चलती रही किंतु लंबे समय से यह आयोजन बंद है और पुन: मूर्त रूप नहीं ले पाया है। जबकि नगर निगम के आनंद विभाग में सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध होने की जानकारी है उसके उपयोग को लेकर आम जनता में स्पष्टता नहीं है। 01 मई मजदूर दिवस पर कवि सम्मेलन आयोजित करने की यह परम्परा अत्यंत पुरानी एवं समृद्ध रही है। इसी परम्परा को पुनर्जीवित करने हेतु हिन्दू धर्म परिषद एवं विंध्य काव्य साहित्य परिषद कलम परिवार ने नगर निगम आयुक्त से विनम्र अनुरोध किया है। इस आयोजन से नगर के नवोदित रचनाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने और नई दिशा प्राप्त करने का अवसर मिलता है यह भी उल्लेखनीय है कि रीवा के अनेक कवि एवं शायर देशभर के कवि सम्मेलनों एवं टीवी चैनलों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं किंतु स्थानीय स्तर पर उन्हें अपेक्षित मंच नहीं मिल पाता। हिन्दू धर्म परिषद एवं कलम परिवार के संस्थापक एवं वरिष्ठ रचनाकार नारायण डिगवानी ने 01 मई मजदूर दिवस पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की पुन: शुरुआत करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस आयोजन से श्रमिक वर्ग के सम्मान का अवसर भी प्राप्त होता है संस्था के अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा एवं कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा मणि ने भी इस आयोजन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए नगर निगम आयुक्त से इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर गोष्ठी सम्पन्न, जागरूकता पर दिया गया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान : चुनौतियां और आगे की राह' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य गोपाल चौरसिया ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चौरसिया ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है शिक्षा के प्रसार से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और इस कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा गोष्ठी के दौरान भूगोल विभाग के तेज प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि बाल विवाह से छात्राओं के मानसिक एवं शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक, वन स्टॉप सेंटर का शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तरी करौंदिया क्षेत्र में वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं प्रशासक सरोज खरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को बाल विवाह जैसी कुप्रथा के दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बाल विवाह न केवल सामाजिक बुराई है बल्कि यह कानूनन अपराध भी है इसके तहत निर्धारित दंड और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर प्रतिभागियों को इसके विरुद्ध जागरूक किया गया कार्यक्रम के दौरान जागरूकता बढ़ाने हेतु पंपलेट का वितरण भी किया गया जिससे महिलाएं और बालिकाएं अपने अधिकारों और उपलब्ध सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें शिविर में संवादात्मक तरीके से चर्चा कर प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। वन स्टॉप सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की जानकारी देते हुए टीम ने बताया कि केंद्र में पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर समग्र सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसमें परामर्श सेवा कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय पुलिस सहायता 24 घंटे हेल्पलाइन तथा चिकित्सा सहायता जैसी कुल छह प्रकार की सुविधाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या संकट की स्थिति में वे नि:संकोच वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर सकती हैं यह केंद्र उनकी सुरक्षा, सहायता और पुनर्वास के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर केस वर्कर अरुणिमा पाठक, पुष्पलता शर्मा, मंजुला मिश्रा एवं अंजू पाण्डेय उपस्थित रहीं, जिन्होंने शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं में जागरूकता बढ़ी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा मिली।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 974/ई-टेंडर/जोन-01/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 02.04.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_496773_1 02.04.2026 (FIRST CALL) 972/ 02.04.2026	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 हेतु वार्ड क्रमांक-01, 02, 03, 04, 05, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38 में विभिन्न स्थानों पर WBM सड़क एवं पेवर ब्लाक (पीस वर्क) निर्माण का कार्य।	04 माह ₹13.34 लाख	₹2000.00 ₹10005.00	04.05.2026 18:00 बजे तक।
2.	2026_UAD_496774_1 02.04.2026 (FIRST CALL) 973/ 02.04.2026	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 हेतु वार्ड क्रमांक-01, 02, 03, 04, 05, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38 में विभिन्न स्थानों पर RCC नाली, नाली कवर एवं जाली (पीस वर्क) निर्माण का कार्य।	04 माह ₹13.34 लाख	₹2000.00 ₹10770.00	04.05.2026 18:00 बजे तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, (जोन क्रमांक-01)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

अराजकता से घिरा बंगाल

संपादकीय

अच्छा हो कि सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान दे कि बंगाल प्रशासन अराजकता से दृढ़ता से निपटना सीखे-केवल चुनाव के वक्त ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी। यदि इस पर ध्यान नही दिया गया तो बंगाल में अराजकता और बढ़ेगी ही।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से तैनात न्यायिक अधिकारियों को जिस तरह घंटों बंधक बनाए रखा गया, वह इस राज्य में अराजकता हावी हो जाने का एक और प्रमाण ही है। इसी कारण इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि मालदा जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

इस घटना की गंभीरता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि जिन अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उनमें महिलाएं भी थीं और उन्हें तब मुक्ति मिल सकी, जब खुद सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने सख्त आदेश दिए। चूंकि राज्य के शीर्ष अफसर बंधक बनाए गए न्यायिक अधिकारियों को छुड़ाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस घटना की जांच सीबीआइ या एनआइए से कराने के निर्देश दिए। इसका अर्थ है कि उसे राज्य के शासन-प्रशासन पर तनिक भी भरोसा नहीं।

यह बंगाल सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए, लेकिन यह तय है कि उसकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। यदि ममता सत्ता में लौटीं तो बंगाल में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली ऐसी अराजक घटनाएं फिर से आम हो सकती हैं। हिंसक घटनाओं के सामने पुलिस प्रशासन के मूकदर्शक बने रहने के मामलों में बंगाल सरकार को हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट से न जाने कितनी बार फटकार लग चुकी है, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला है।

मालदा की शर्मनाक घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। यदि सच में ऐसा है तो फिर उनकी सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से यह आग्रह क्यों किया कि वह अपनी इस टिप्पणी को हटा ले कि कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है? वास्तव में ऐसा कोई निष्कर्ष निकालना निरा झूठ है कि चुनाव वाले राज्य में सरकार शक्तिहीन हो जाती है। सच यह है कि ममता शासन में बंगाल प्रशासन का बुरी तरह राजनीतिकरण हो चुका है और कई पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करते हैं। जिन अराजक तत्वों ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया, उन्हें वोटर लिस्ट से नाम कट जाने वाले क्षुब्ध वोटरों की संज्ञा देना सुप्रीम कोर्ट को धोखा देना ही है। मालदा में मनमानी करने वाले अराजक तत्व ही थे, इसका पता इससे चलता है कि गत दिवस उन्होंने फिर से उत्पात मचाया और पुलिस पर हमला किया।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल 'नागरिक देवो भव' की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है–जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित 'विकसित भारत 2047' केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए 'निरंतर सीखना' अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी 'कहीं भी,कभी भी' सीख सकते हैं। द्वत्नह्ल्ञ जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम- आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निर्माता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में 'कर्मयोगी' का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - द्वत्नह्ल्ञ प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की 'अंतिम मील डिलीवरी' मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।इसी उद्देश्य से 'कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट' और 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं।सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए।

कर्मयोगी साधना सप्ताह का 'प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम' पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

नागरिक देवो भवः भ्रष्टाचार-मुक्त भारत की ओर एक निर्णायक यात्रा

आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं,उसका स्थानीय सरकारी तहसील कार्यालय, नगर निगम,पुलिस स्टेशन, सरकारी अस्पताल ही सरकार का चेहरा होता है–समग्र विश्लेषण भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, सामाजिक विश्वास का हनन–नागरिक सर्वोपरि और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है अपने की ज़रूरत भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस क़रने,डेडलाइन बनाने के साथ –साथ शासकीय रुतबे को त्यागने, सेवा को अपनाने नागरिक देवो भव को जीवन का मूल मंत्र बनाने का संकल्प लेना ज़रूरी वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और संस्कृति का मूल मंत्र सदियों से अतिथि देवो भव रहा है, जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों को आकार दिया,बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी स्थापित की।किंतु आज के परिवर्तित समय में यह आवश्यकता महसूस की जा रही है कि इस मंत्र को एक व्यापक और अधिक समकालीन रूप देते हुए नागरिक देवो भव के रूप में स्थापित किया जाए। यह केवल एक नारा नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन का दर्शन है। जब तक शासन के केंद्र में नागरिक नहीं होगा,तब तक विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। यह मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के मूल चरित्र में आमूल–चूल परिवर्तन का आह्वान है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिया गया संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।वर्तमान समय में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में 2047 का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है तब भ्रष्टाचार इस यात्रा का सबसे बड़ा अवरोध बनकर सामने आता है।इसलिए यह समय की मांग है कि जैसे नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई और लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया,वैसे ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए भी एक ठोस और समयबद्ध रणनीति अपनाई जाए। जिसकी मांग मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से हर आर्टिकल के माध्यम से करते रहता हूं आज फिर इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन कर रहा हूं।भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है,यह सामाजिक विश्वास का हनन है। यह उस तंत्र को खोखला करता है, जिसपर लोकतंत्र टिका होता है। विकसित भारत के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें,तो पाएंगे कि भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं पहुंचाता, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करता है।भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती है। चाहे वह एक छोटे स्तर का कर्मचारी हो या उच्च पदस्थ अधिकारी जब तक काम निकालने की मानसिकता और जुगाड़ संस्कृति समाज में बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं।जब एक आम नागरिक सरकारी दफ्तर में जाता है,तो वह केवल एक सेवा की अपेक्षा नहीं करता,बल्कि वह न्याय,पारदर्शिता और सम्मान की भी उम्मीद करता है। यदि उसे वहां भ्रष्टाचार,उपेक्षा या अपमान का सामना करना पड़ता है,तो उसका विश्वास न केवल उस संस्था से,बल्कि पूरे शासन तंत्र से उठने लगता है।यही कारण है कि नागरिक देवो भव की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,क्योंकि यह शासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित करती है कि नागरिक सर्वोपरि है और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है।

साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव की संकल्पना को समझने की करें तो इसका का अर्थ है,हर नागरिक को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।यह सोच प्रशासन को पावर-सेंट्रिक से पीपल-सेंट्रिक बनाती है।इस अवधारणा के अंतर्गतःसरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वतः ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,इस प्रकार,इंडिविजुअल ट्रांसफॉर्मेशन ही इंस्टिट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन का आधार बनता है।स्थानीय प्रशासनः सरकार का वास्तविक चेहरा आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं होता, बल्कि उसका स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है।तहसील कार्यालय नगर निगम,पुलिस स्टेशन,सरकारी अस्पताल यही वे स्थान हैं, जहां नागरिक सीधे सरकार से जुड़ता है। यदि यहां का व्यवहार सकारात्मक, पारदर्शी और संवेदनशील होगा, तो लोकतंत्र में विश्वास स्वतः ही मजबूत होगा। लेकिन यदि यहां भ्रष्टाचार, देरी और असंवेदन शीलता होगी, तो जनता का विश्वास डगमगा जाएगा।कर्तव्य- प्रधान प्रशासनः अधिकार से अधिक जिम्मेदारीपीएम ने प्रशासनिक संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, अधिकार से अधिक कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना।भारतीय संविधान भी यही सिखाता है कि अधिकार, कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।जब कोई अधिकारी हर निर्णय से पहले यह सोचता है किःयह निर्णय जनता के लिए कितना लाभकारी है? इससे कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा?तो उसके निर्णय स्वतः ही अधिक प्रभावी और सटीक रूप से अति जनहितकारी बन जाते हैं।

साथियों बात अगर हरशासकीय कर्मचारी द्वारा इस भाव की संकल्पना को समझने की करें तो,हम आज आवश्यकता है कि चपरासी से लेकर उच्चतम अधिकारी तक,संत्री से लेकर मंत्री तक,हर शासकीय कर्मचारी इस भावना को अपने भीतर आत्मसत करे। पद का अहंकार छोड़कर सेवा का भाव अपनाना ही इस परिवर्तन की कुंजी है। जब एक अधिकारी अपने पद को अधिकार के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।यह व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बनता है। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि उसके एक निर्णय से कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा,तो वह निर्णय अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी होगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में भारत की करें तो, भारत एक आकांक्षी समाज के रूप में उभर रहा है, जहां हर नागरिक के अपने सपने हैं, अपने लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी केवल नागरिक की नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की भी है। जब सरकार और नागरिक के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है, तभी विकास की गति तेज होती है।इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवस्था अधिकसंवेदनशील उत्तरदायी और पारदर्शी बने। नागरिक देवो भव का सिद्धांत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शासन को नागरिक-केंद्रित बनाता है।इस संदर्भ में क्षमता निर्माण आयोग (कैपेसिटी बिल्डिंग कमिशन) और आईगोट मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं है,बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है, जहां हर सरकारी कर्मचारी एक कर्मयोगी के रूप में कार्य करे। कर्मयोगी वह होता है,जो अपने कर्तव्य को पूजा मानता है और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है। जब यह भावना प्रशासन में विकसित होती है,तो वह केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनती है।प्रशासनिक सुधारों के लिए यह भी आवश्यक है कि विभागों के बीच समन्वय और संवाद को बढ़ावा दिया जाए।

नदियों का पुनर्जीवन एवं संरक्षण

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ तिवारी

नदी और मानव का संबंध अनादिकाल से चला आ रहा है। पाषाणयुगीन प्राचीनतम संस्कृतियों के अधिकांश साक्ष्य नदियों के तट पर ही प्राप्त हुए हैं। समय के साथ नदियों के किनारे अनेक सभ्यताएँ विकसित और समृद्ध हुईं। भारतीय सनातन संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है। श्री रामचरितमानस में कहा गया है– गंग सकल मुद मंगल मूल सब सुख करणी हरि सब सुला अर्थात् गंगा अनंत सुख प्रदान करती है और समस्त दुखों का नाश करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, स्कंद पुराण तथा अन्य ब्राह्मण ग्रंथों में गंगा की महिमा का विस्तृत वर्णन है। ऐसी मान्यता है कि गंगा में स्नान और नर्मदा के दर्शन मात्र से पुण्य प्राप्त होता है। भारत को नदियों का देश कहा जाता है। यहाँ छोटी–बड़ी नदियों को मिलाकर लगभग 4000 से अधिक जलधाराएँ हैं। हिमालयी नदियाँ ग्लेशियरों से पोषित होती हैं, जो वर्ष भर निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करती हैं। वहीं प्रायद्वीपीय नदियाँ मुख्यतः मानसून पर निर्भर हैं। हिमालय प्रणाली में सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र, यमुना, चंबल, बेतवा, सोन, कोसी और घाघरा प्रमुख हैं। प्रायद्वीपीय प्रणाली में नर्मदा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, ताप्ती, साबरमती, माही, सुबर्णरेखा और लूनी शामिल हैं। सिंधु प्रणाली में पंचनद (सतलुज, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास) हैं। गंगा प्रणाली में गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, गंडक, कोसी, बेतवा और रामगंगा प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

2025 तक की स्थिति में भारत की नदियों की स्थिति अभी भी चिंताजनक है, किंतु कुछ सकारात्मक संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सितंबर 2025 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में 271 नदियों में 296 प्रदूषित खंड चिह्नित किए गए हैं। यह संख्या 2018 के 351 और 2022 के 311 से कम है, जो सुधार का संकेत है। फिर भी महाराष्ट्र में सर्वाधिक 54 प्रदूषित खंड हैं, उसके बाद केरल में 31, मध्य प्रदेश और मणिपुर में 18–18 खंड हैं। प्राथमिकता–1 (बीओडी झ30 एमजी/एल) वाले अत्यधिक प्रदूषित 37 खंड 14 राज्यों में फैले हैं। देश में लगभग 72 प्रतिशत सीवेज अभी भी बिना उपचार के नदियों में बहाया जा रहा है, जिससे वार्षिक आर्थिक नुकसान लगभग 3.75 लाख करोड़ रुपये का है। मध्य प्रदेश को नदियों का उद्गम स्थल या 'क्रेडल ऑफ रिवर्स' कहा जाता है। नर्मदा यहाँ की जीवन रेखा है, जबकि चंबल, ताप्ती, बेतवा, केन, सोन और क्षिप्रा जैसी 200 से अधिक छोटी–बड़ी नदियाँ निकलती हैं, जो राज्य की कृषि, पेयजल और सांस्कृतिक जीवन को पोषित करती हैं। सीपीसीबी 2025 रिपोर्ट में मध्य प्रदेश में 18 प्रदूषित खंड चिह्नित हैं। चंबल नदी का नागदा से गांधी सागर डैम तक का खंड प्राथमिकता–1 में है। खान (काबित खेड़ी से रामवासा), बेतवा (विदिशा क्षेत्र), क्षिप्रा (महिदपुर से त्रिवेणी संगम) और हिरण नदियों में प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक है। औद्योगिक अपशिष्ट, शहरी सीवेज और कृषि रसायनों ने इन नदियों को प्रभावित किया है। इंदौर जैसे शहरों में 2025–26 में जल प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएँ भी उभरीं, जो नदी प्रदूषण का परोक्ष प्रभाव दर्शाती हैं। शहरीकरण, औद्योगीकरण और कृषि अपशिष्ट के कारण नदियों की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप टाइफाइड, हैजा, जलजनित रोग बढ़े हैं। आर्सेनिक, पारा, सीसा और कैडमियम जैसे भारी धातुओं से त्वचा विकार, मिनामाता रोग, इटाई–इटाई रोग, कैंसर और न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ आम हो गई हैं।

भारत सरकार ने नदियों के संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ चलाई हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम, केन–बेतवा लिंक परियोजना देश की पहली सक्रिय नदी जोड़ परियोजना है, जो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त क्षेत्रों को लाभ पहुँचा रही है। महानदी, गोदावरी, कृष्णा और स्वच्छ गंगा मिशन भी सक्रिय हैं। इसी चुनौती के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने जन–भागीदारी आधारित क्रांतिकारी कदम उठाया। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया गया। इस 100 दिवसीय अभियान अभियान का उद्देश्य नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों और चेक डैमों का पुनरुद्धार है। राज्य में 'नमामि देवी नर्मदे' और नर्मदा सेवा जैसी योजनाएँ भी चल रही हैं। केन–बेतवा लिंक से बेतवा बेसिन को अतिरिक्त जल मिलेगा, जिससे सूखाग्रस्त छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना आदि जिलों की सिंचाई और पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

नदियों का संरक्षण हमारा सामूहिक कर्तव्य है। भारत जैसे कृषि–प्रधान देश में सिंचाई, नौवहन और जलविद्युत के लिए नदियों को जीवित रखना आवश्यक है। जलग्रहण क्षेत्रों का प्रबंधन, मृदा अपरदन रोकने हेतु बड़े पैमाने पर पौधारोपण, प्रदूषण नियंत्रण कानूनों का सख्त क्रियान्वयन और नदियों के संधारण क्षेत्रों का संरक्षण अनिवार्य है। प्राचीन सनातन मूल्यों को सहेजते हुए 'स्व' का भाव जगाना होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान जैसे जन आंदोलन साबित करते हैं कि जब जनता और सरकार साथ चलें, तो नदियों की अविरल निर्मल धारा फिर बह सकती है। प्रत्येक नागरिक को नदी संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ जल और समृद्ध पर्यावरण का उपभोग कर सकेंगी।

युद्ध कोई नहीं जीता है

अमेरिका- इज़राइल और ईरान युद्ध युद्ध जिस पर दुनिया भर के मीडिया का ध्यान है। सारे चैनल युद्ध पर और खबर जो दिखाई जा रही है उससे शांति नष्ट हो गई है — युद्ध ने इंसानियत के मतलब पर हज़ारों बातचीत शुरू कर दी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया ने इसे नज़रअंदाज़ करना चुना, जिससे हमें हैरानी हुई कि क्या हमने अपने आस-पास एक अंधा और असंवेदनशील सोशल बबल बना लिया है। ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। तेहरान ने मरी हुई लड़कियों की फ़ोटो जारी की हैं।

संजय गोस्वामी

उनके दुखी माता-पिता के वीडियो और फ़ोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए, लेकिन हममें से कितने लोगों ने उन्हें देखने की परवाह की, ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। 24 मार्च को, दर्जनों औरतें रोम की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले, नंगे पैर मार्च कर रही थीं। ये गाज़ा और इज़राइल की माँएँ थीं। उनके बच्चे या रिश्तेदार हमास की हिंसा और इज़राइल द्वारा लिए गए बदले के शिकार हुए थे। उनका मैसेज ज़ोरदार और साफ़ था: इज़राइल और गाज़ा दोनों के रहने वाले खुद को आदम और हव्वा की औलाद मानते हैं, और उन्हें बस शांति चाहिए। यह मार्च उन लोगों के लिए एक सबक था जो सोचते हैं कि हर इज़राइली गाज़ा को जला देना चाहता है। ये औरतें 25 मार्च को पोप लियो ङ्ढ्ढङ्क से मिलीं। पोप पहले ही शांति की अपील कर चुके थे। लेकिन क्या उन्होंने इन मांओं के कहने पर अमेरिका या यूरोप से बात की? तब से उनके रिएक्शन की कोई खबर नहीं है। इस युद्ध मेंअमेरिकी सेना, उपकरण और मध्य देश में बेस भी में खो देता हैऔर फिर कहा कि मैं असलऔर ट्रम्प ने देश से कहा युद्ध मेंअमेरिकी जीत गया हैलेकिन वास्तव में, कोई नहीं जीता है,ईरान देश को अब शांति से आपसी तालमेल से इसे खत्म करना चाहिएक्योंकि अमेरिका का युद्ध का इतिहास दूसरे विश्व युद्ध में 1945में अंत में हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराने तक का है।द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में, 6 और 9 अगस्त 1945 को संयुक्त राज्य अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर दो परमाणु बम गिराए। इन हवाई बमबारी में 150,000 से 246,000 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। ये परमाणु हथियारों का सशस्त्र संघर्ष में पहला और एकमात्र प्रयोग था। हम बौनों के ज़माने में जी रहे हैं, लीडर्स के नहीं। वर्ल्ड वॉर ढ्ढढ्ढ से पहले और उसके ठीक बाद दुनिया ने महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला जैसे बड़े लोगों को देखा, जिनके कामों, अपीलों और दलीलों का बहुत वज़न था और दुनिया भर में उनकी गूंज सुनाई दी। उन्होंने अपनी जागृति से दुनिया को जगाए रखा और ज़िंदा रखा। उनसे प्रेरित होकर, आम लोगों ने अन्याय के खिलाफ़ मिलकर आवाज़ उठाई। 8 जून, 1972 की बात है। वियतनाम के ट्रांग बांग इलाके में बच्चे अमेरिका के सपोर्ट वाले हमलों से बचने के लिए अपनी सुरक्षा के लिए भाग रहे थे। नौ साल की किम फुक, वियतनाम में युद्ध से हुए भयानक हालात का उदाहरण बन गई, जब उसकी पीठ पर नेपाम के हमले में जलने के बाद, वह बिल्कुल नंगी दौड़ती हुई मारी गई। युद्ध का परिणाम हमेशा विनाशकारी होता है, जिसमें जान-माल की भारी हानि, आर्थिक मंदी, बुनियादी ढांचे का विनाश और गहरा मानवीय संकट शामिल है। यह न केवल देशों की सीमाओं को बदलता है और राजनीतिक स्थिरता को बाधित करता है, बल्कि पीढ़ियों तक मनोवैज्ञानिक आघात और सामाजिक उथल-पुथल भी छोड़ता है। युद्ध के प्रमुख परिणामों को इन बिंदुओं में समझा जा सकता हैः जन-धन की हानिः युद्ध में सैनिकों और नागरिकों की भारी मृत्यु होती है, साथ ही संपत्ति, घरों और शहरों का विनाश होता है। आर्थिक मंदी और संकटः युद्धों के कारण व्यापार बाधित होता है, मुद्रास्फीति (महंगाई) बढ़ती है और देशों पर भारी कर्ज का बोझ पड़ता है। ऊर्जा और भोजन की आपूर्ति श्रृंखला टूट जाती है। राजनीतिक और भौगोलिक परिवर्तनः युद्ध के परिणामस्वरूप सरकारें गिर सकती हैं, नए राष्ट्र बन सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंध बदल जाते हैं (जैसे, प्रथम विश्व युद्ध के बाद साम्राज्यों का अंत)। शरणार्थी और विस्थापनः युद्ध के कारण लाखों लोग बेघर हो जाते हैं और शरणार्थी बनकर दूसरे देशों में जाने को मजबूर होते हैं। दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक आघातः युद्ध न केवल शारीरिक घाव देता है, बल्कि सैनिकों और नागरिकों में पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं छोड़ जाता है। पर्यावरणीय क्षतिः विस्फोटों और हथियारों के उपयोग से भूमि, जल और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचता है। भगवान राम और रावण के युद्ध में भगवान राम का संदेश धर्म, न्याय और करुणा की स्थापना करना था, न कि केवल विनाश। उन्होंने रावण को सुधारने का अंतिम अवसर (शांति प्रस्ताव) दिया, जो दर्शाता है कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए। उनका मुख्य संदेश अधर्म पर धर्म की विजय और युद्ध में भी मर्यादा व नीति का पालन करना था। युद्ध में भगवान राम के संदेश के मुख्य बिंदुः धर्म और न्याय की सर्वोच्चताः राम का युद्ध व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए था। शांति का प्रयासः उन्होंने अंगद को शांति प्रस्ताव के साथ भेजा, यह स्पष्ट करने के लिए कि युद्ध से पहले हर संभव समाधान तलाशा जाना चाहिए। मर्यादा और नैतिकताः युद्ध के दौरान भी, उन्होंने नियमों का पालन किया और पराजित या निहत्थे शत्रु पर प्रहार न करने जैसी मर्यादाओं का पालन किया। समावेशिताः उन्होंने वनवासियों, वानरों और सभी जातियों को साथ लेकर यह संदेश दिया कि न्यायपूर्ण उद्देश्य के लिए एकता आवश्यक है। शत्रु के प्रति सम्मानः रावण के वध के बाद, राम ने विभीषण से कहा कि शत्रु के मरणोपरांत बैर समाप्त हो जाता है और रावण को सम्मानजनक अंतिम संस्कार दिलाया। अहंकार का नाशः राम ने रावण के माध्यम से यह संदेश दिया कि अत्यधिक शक्ति और अहंकार ही विनाश का कारण बनते हैं।

बालाजी इंडस्ट्रीज में खपाई करोड़ों की सरकारी मूंग,सह-आरोपी बनने की संभावना, एक महीने से जेल में संचालिका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। ग्राम चीलाचौन स्थित एकलव्य वेयरहाउस से गायब 4.22 करोड़ रुपए की सरकारी मूंग मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है गोदाम से गायब मूंग को बालाजी इंडस्ट्रीज में खपाया गया पुलिस की जांच में सरकारी मूंग खपाने का मामला उजागर हुआ है। पुलिस ने केस में बयान और जांच के आधार पर आरोपी अमित तोमर के साथी अभय राजावत निवासी भिंड को भी आरोपी बनाया है अभय को पुलिस ने भिंड से गिरफ्तार कर लिया वर्तमान में एकलव्य वेयरहाऊस की संचालिका आरती नरेंद्र तोमर और अभय राजावत जेल में है आरती तोमर की जमानत के लिए हाईकोर्ट तक अर्जी लगी है लेकिन अब तक वो जेल से बाहर नहीं आ सकीं वहीं आरोपी अमित तोमर और चौकीदार अमर कौल फरार है अग्रिम जमानत के लिए उनके परिजन और अधिवक्ता

हाईकोर्ट के चक्कर लगा रहे मप्र वेयरहाउस कॉर्पोरेशन ब्रांच मैनेजर हेमंत चंदेल ने मूंग चोरी के शक में 14 फरवरी को शिकायत की थी। मामले में मप्र वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक कार्पोरेशन क्षेत्रीय प्रबंधक अतुल सोरटे जिला प्रबंधक वासुदेव डवडे तहसीलदार अंकित मौर्य ने 16 फरवरी को वेयरहाउस का ताला तुड़वाकर मूंग देखी थी। जहां बड़ी मात्रा में मूंग से भरी बोरियां गायब मिली और स्टैक में रखी मूंग में मिट्टी कचरे की मिलावट मिली थी टीम द्वारा वेयरहाउस में रखे मूंग का स्टॉक 18 फरवरी 19 फरवरी को चेक किया अंतिम जांच प्रतिवेदन में एकलव्य वेयरहाउस ऑनलाइन अनुसार कुल 62694 बोरी वजन 21345 कि. जमा होना दर्शित है। जबकि गोदाम का रिस्टेकिंग के बाद भौतिक सत्यापन करने पर 52795 बोरी पाई गई है। 9899 बोरी कम पाई गई है। जिसकी कीमत 4 करोड़ 22 लाख 21 हजार 710 रुपए है गोदाम संचालिका आरती नरेंद्र तोमर उसके रिश्तेदार अमित पिता जयसिंह तोमर और चौकीदार अमर कौल ने गोदाम में रखी मूंग की हेरा-फेरी अमानत में खयानत किया। जिसके चलते 19 फरवरी को माखननगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई जिसकी जांच माखननगर थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके कर रहे है। वेयरहाउस में आरोपियों द्वारा एक शटल में लगा सरकारी एक ताला तोड़कर उसी कंपनी का दूसरा ताला भी लगाया गया। जांच में पाया गया कि गोदाम में लगे 11 तालों में से 10 ताले सही पाएं गए। एक ताला क्रमांक 49702 मौके पर नहीं मिला। गोदाम संचालक द्वारा ताला तोड़कर उसी कंपनी का हू-बहू ताला मुख्य शटर (बड़ी शटर) पर लगाया गया वेयरहाउस संचालिका आरती नरेंद्र तोमर ने वेयरहाउस से मूंग गायब होने के मामले में थाने में लिखित शिकायत 14 फरवरी को की। फिर डेढ़ महीने बाद भी कोई सामने नहीं आया। आरती तोमर एक माह से जेल में है। उसे जेल से बाहर लाने के तमाम प्रयास किए गए लेकिन उसे जमानत नहीं मिल पा रही।

2 बाइकों की टक्कर में दो की मौत,तीसरे की हालत गंभीर भीलटदेव से लौटते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। स्टेट हाईवे पर रतवाडा के पास दो बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई हादसा इतना खतरनाक था कि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए राहगीर और परिजनों ने उन्हें उठाकर नर्मदापुरम लेकर आएं। जिनमें दो युवकों को डॉक्टर ने मृत घोषित किया तीसरे युवक की हालत नाजुक है जिला अस्पताल में उसका वेंटिलेटर पर उपचार जारी है पुलिस के मुताबिक एक्सीडेंट में जान गंवाने वालों में पीयूष जोठे (18) निवासी नाला मोहल्ला इटारसी और आयुष मांडवी (20) निवासी आमुपुरा है। जानकारी के मुताबिक आयुष मांडवी भिलट देव बाबा के मेले में गया था रात करीब 11 बजे वो अपने परिजन और साथियों के साथ अलग अलग बाइक से गांव लौट रहे थे। पीयूष रात 10 बजे घर से काम का कहकर निकला था। रात 11 बजे रतवाड़ा के पास दोनों बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ में आ रहे परिजन और राहगीरों ने प्राइवेट वाहन में रख नर्मदापुरम रवाना हुए जहां दो युवकों ने दम तोड़ दिया शवों का पोस्टमार्टम हुआ जिसके बाद परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए ले गए हादसे के बाद सुबह 11 बजे डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान घटना स्थल पर पहुंचे मौका स्थल का मुआयना किया जहां दोनों की बाइक क्षतिग्रस्त हालत में मिली पंचनामे के बाद बाइक को थाना परिसर में ले जाया गया।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में 100' उपस्थिति पर विद्यार्थियों एवं प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत 100% उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों में अनुशासन, समयपालन एवं नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने के उद्देश्य से इस पहल को विशेष रूप से सराहा गया जारी सूची के अनुसार कक्षा III एकलव्य से आद्रिति सिंह, वैदिक तिवारी एवं निष्ठा मैत्रा ने पूरे सत्र में नियमित उपस्थिति दर्ज कर उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया इसी प्रकार कक्षा VI एकलव्य से वेदिका तिवारी एवं अश्विका वार्ष्णेय तथा कक्षा VII एकलव्य से त्रिवेणी पाकिरा ने भी 100% उपस्थिति प्राप्त कर अपनी लगन एवं शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया विद्यालय प्रशासन के अनुसार इन विद्यार्थियों की निरंतर उपस्थिति न केवल उनकी शैक्षणिक प्रगति में सहायक रही बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी है। नियमित विद्यालय आने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास समय प्रबंधन एवं सीखने की निरंतरता विकसित होती है, जो उनके समग्र विकास के लिए आवश्यक है इस अवसर पर शिक्षक वर्ग में भी उत्कृष्ट अनुशासन एवं समर्पण का परिचय देते हुए प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर पूनम तिवारी को 100% उपस्थिति के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनकी कार्यनिष्ठा एवं समयपालन की सराहना करते हुए प्राचार्य एवं स्टाफ ने उन्हें आदर्श बताया। विद्यालय के प्राचार्य ने अपने संदेश में कहा कि नियमित उपस्थिति ही सफलता की पहली सीढ़ी है। कर्तव्यनिष्ठ विद्यार्थी एवं शिक्षक ही जीवन में उच्च उपलब्धियां प्राप्त करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों एवं पूनम तिवारी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में भी ऐसी प्रेरणादायक गतिविधियों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख की ठगी :मां-बेटी ने विशाखापट्टनम से ई-मेल पर भेजा फर्जी नियुक्ति पत्र, पैसे लौटाने का पांच साल तक दिया भरोसा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से उसके बेटे को नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब 15 लाख रुपए वसूल लिए गए। विशाखापट्टनम से महिला व उसकी बेटी ने कूटरचना कर ई-मेल के जरिए नियुक्ति पत्र भेजा जो फर्जी निकला। ठगी के इस केस में पीड़ित को पैसे लौटाने के लिए पांच साल तक भरोसा दिया जाता रहा अब पुलिस ने शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है तोरवा क्षेत्र में रहने वाले एन वेंकट सूर्यप्रताप प्राइवेट जॉब करते थे जो अब रिटायर हो गए हैं। उन्होंने पुलिस से शिकायत कर बताया कि

अगस्त 2020 में उन्हें तेनिटी इंद्राणी नाम की महिला ने फोन किया था महिला ने उनके बेटे को रेलवे में नौकरी दिलाने का दावा किया और शुरुआत में 6 लाख रुपए की मांग की बातचीत के बाद 4 लाख रुपए देने की बात तय हुई और बेटे के दस्तावेज ईमेल के जरिए मंगवाए गए आरोप है कि इंद्राणी ने राजनीतिक कोटे में नियुक्ति दिलाने का दावा किया था उसने अपनी बेटी वलिवेती वेंकट नागा कीर्ति के बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करने को कहा पहले 4 लाख रुपए जमा कराए गए फिर 50-50 हजार की अतिरिक्त रकम ली गई इसके बाद राजनीतिक कोटा और अन्य बहानों से रकम बढ़ाई गई जब नौकरी नहीं लगी तो आरोपियों ने कोविड-19 और चुनाव का हवाला देकर समय टाल दिया।

रेल मंत्रालय के नाम से एक फर्जी नियुक्ति भेजा : शिकायत में बताया कि जून 2024 में आरोपियों ने रेल मंत्रालय के नाम से एक फर्जी नियुक्ति पत्र ईमेल के जरिए भेजा जो देखने में बिल्कुल असली जैसा था। इसी भरोसे में आकर पीड़ित ने और रकम देना जारी रखा।

2024-25 में फिर मांगे लाखों रुपए: दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच आरोपियों ने फिर से रकम की मांग की और अलग-अलग तारीखों में यूपीआई बैंक ट्रांसफर और एनईएफटी के जरिए पैसे जमा कराए गए पीड़ित के अनुसार कुल मिलाकर करीब 15 लाख रुपए 18 अलग-अलग ट्रांजेक्शन में आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किए गए मामले की शिकायत पर तोरवा पुलिस ने आरोपियों पर अपराध दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

निशा ठाकुर का खेलो इंडिया एथलेटिक्स के लिए चयन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। छात्रा निशा ठाकुर का चयन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ है उनका चयन भोपाल के टी टी नगर स्टेडियम में 19 मार्च को आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। खेल समन्वयक प्रीतम पूर्विया ने बताया कि यह प्रतियोगिता क्रीड़ा परिसर धरमपुरा, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ में 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी इसमें अनुसूचित जनजाति ओपन वर्ग की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। निशा ठाकुर आर एन ए खेल मैदान पर नियमित अभ्यास करती हैं और अन्य खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण देती हैं वह एथलेटिक्स में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं निशा के चयन पर मनोज नागोत्रा, संदीप संजू शर्मा, शरद द्विवेदी, अरविंद शर्मा, सुजीत पटवा, अरविंद राय, सचिन पुर्विया, अतुल परसाई, राजकुमार ठाकुर, लकी अहिरवार, शिवम पुर्विया, आदित्य कुशवाहा, आशीष प्रजापति, आयुष भार्गव, वृंदा यादव, पूजा कहार, पूजा पटेल और प्रिया मवासी ने शुभकामनाएं दी हैं।

वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल :पूर्व विधायक ने इसे अन्यायपूर्ण बताया, आंदोलन की दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के जनकपुर में वन विभाग की बुलडोजर कार्रवाई से एक बार फिर सियासत गरमा गई है कुँवारपुर वन मंडल के तहत मनेंद्रगढ़ तिराहे पर स्थित एक मकान को वन विभाग ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया यह मकान लगभग बीस वर्षों से वन भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया गया था। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। विभाग ने कई अन्य घरों को भी चिन्हांकित किया हैजो वन भूमि पर बने हैं और उन पर भी कार्रवाई की तैयारी है स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेकर कुछ मकानों को सुरक्षित कर रहे हैं जबकि जो रिश्वत नहीं देते उन पर कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण पर कार्रवई कर घरों

को ढहा दिया गया रहवासी हुए परेशान भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण अमानवीय और निंदनीय बताते हुए कहा कि वर्षों से काबिज ग्रामीणों के घरों को इस तरह उजाड़ना सरासर गलत है। कमरो ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति को निशाना बनाकर उसका मकान तोड़ा गया जो करीब 20 वर्षों से वहीं रहकर चाय बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में किसी गरीब का आशियाना उजाड़ना संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है उन्होंने वन विभाग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिनका दायित्व जंगलों की सुरक्षा करना है वे पेड़ों की कटाई पर चुप रहते हैं लेकिन गरीबों के घर तोड़ने में सक्रिय नजर आते हैं। पूर्व विधायक ने अपनी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ग्रामीणों को पट्टा देने का काम कर रही थी जबकि वर्तमान भाजपा सरकार में लोगों को बेघर किया जा रहा है।

पुलिस विभाग में इंस्पेक्टरों के तबादलें :थाना प्रभारी समेत 5 इंस्पेक्टरों को भेजा भोपाल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस मुख्यालय भोपाल से रात को इंस्पेक्टरों की तबादला सूची जारी हुई जिसमें 64 निरीक्षक और कार्यवाहक निरीक्षकों के तबादले हुए सूची अनुसार जिले से पांच निरीक्षकों को भोपाल भेजा गया जिसमें चार थाना प्रभारी है। एक निरीक्षक श्रीनाथ झरबड़े की 8 महीने से पुलिस लाइन तैनाती थी केसला थाना प्रभारी मदन पवार, सिवनी मालवा थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर, महिला थाना प्रभारी हेमलता कुशवाह मिश्रा का तबादला जीआरपी भोपाल हुआ निरीक्षक श्रीनाथ झरबड़े का भोपाल नगर, माखन नगर थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके को पुलिस मुख्यालय प्रशासन शाखा हुआ। वहीं जिले को दो महिला इंस्पेक्टर मिली है जिसमें इंस्पेक्टर सुरेखा निमोदा देवास और इंस्पेक्टर राखी मौर्य पुलिस मुख्यालय पीटीआरआई से है सुरेखा निमोदा जुलाई 2021 से साल 2023 तक नर्मदापुरम में महिला थाना प्रभारी रह चुकी है। विधानसभा चुनाव के चलते उनका तबादला देवास हुआ था। वहीं निरीक्षक मदनलाल पवार ने 10 दिन पहले ही केसला थाना प्रभारी का चार्ज लिया है।

हनुमान प्रकटोत्सव के दूसरे दिन थाने में भंडारा :पांच हजार भक्तों ने ग्रहण की प्रसादी

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के मंगलवारा थाने में श्री हनुमान प्रकटोत्सव के दूसरे दिन भंडारे का आयोजन किया गया इस धार्मिक कार्यक्रम में शहर के विधायक समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और आशीर्वाद लिया। मंगलवारा थाना परिसर में बने हनुमान मंदिर में हनुमान जी के जन्म उत्सव पर अखंड रामायण पाठ कराया गया यह पाठ पूरी रात चला और शुक्रवार को पूरे विधि-विधान के साथ इसकी पूर्णाहुति की गई इसके बाद मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजा-पाठ खत्म होने के बाद दोपहर से भंडारा और प्रसादी बांटने का काम शुरू हुआ क्षेत्र के विधायक ठाकुरदास नागवंशी और शहर के अन्य लोगों ने मंदिर पहुंचकर माथा टेका और हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। सभी ने श्रद्धा के साथ प्रसादी ग्रहण की। एसडीओपी मोहित यादव ने बताया कि यह थाना करीब सवा सौ साल पुराना है। यहां पहले हनुमान जी की एक छोटी सी मढ़िया हुआ करती थी और दशकों से यहां रामायण पाठ और भंडारे की यह परंपरा चली आ रही है जिसे आज भी पूरी श्रद्धा से निभाया जा रहा है।

चिरमिरी में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ, 15 मरीजों के इलाज की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के चिरमिरी क्षेत्र में नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया इस केंद्र का उद्घाटन छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं चिरमिरी के महापौर राम नरेश राय ने विधिवत फीता काटकर किया उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज हित में

एक सराहनीय कदम बताया। नव स्थापित नशा मुक्ति केंद्र में नशे की लत से पीड़ित लोगों के समुचित इलाज और पुनर्वास की व्यवस्था की गई है। केंद्र में कुल 15 सीटों की सुविधा उपलब्ध है जहां एक समय में 15 मरीजों का उपचार किया जा सकेगा यहां विशेषज्ञों की देखरेख में मरीजों को परामर्श, चिकित्सकीय सहायता एवं पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जाएंगी, ताकि वे सामान्य जीवन में वापस लौट सकें इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की प्रतिनिधि अंजना बेग ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप नशे की लत से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार और पुनर्वास सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र न केवल उपचार का स्थान होगा बल्कि जागरूकता फैलाने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार नशे के विरुद्ध अभियान को गंभीरता से चला रही है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। ऐसे में इस प्रकार के नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना से लोगों को नई जिंदगी जीने का अवसर मिलेगा उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है यह केंद्र चिरमिरी सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा। इस केंद्र के प्रारंभ होने से अब स्थानीय स्तर पर ही नशा मुक्ति की सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को दूर-दराज के शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। साथ ही इससे समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ेगी और युवाओं को इससे दूर रहने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री विवाह निकाह आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल अवकाश पर भी खुलेग पंजीयन कार्यालय

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत तैयारियां तेज हो गई हैं नगर पालिका परिषद 19 अप्रैल 2026 को न्यू गल्ला मंडी पिपरिया परिसर में यह सम्मेलन आयोजित करेगा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक है। पंजीयन कार्यालय अवकाश के दिनों में भी खुला रहा। पंजीयन प्रभारी प्रभा दोहरे अशोक धुर्वे और विकास चौबे ने बताया कि अब तक 145 पंजीयन फॉर्म लिए गए हैं जिनमें से 21 विवाह और एक निकाह का फॉर्म पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। नपाध्यक्ष नीना नागपाल ने जानकारी दी कि योजना के तहत कन्याओं को 49,000 रुपए की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे उनके खाते में भेजी जाएगी अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने भी सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बैठकें की हैं कमेटी सदस्यों को जोड़ों के फॉर्म सही ढंग से भरने में मदद करने का काम सौंपा गया है कमेटी निकाह के जोड़ों को उपहार भी भेंट करेगी अब तक 16 निकाह फॉर्म प्राप्त हुए हैं जिनकी जांच के बाद परिषद में जमा कराया जाएगा।

जंगल की सुरक्षा करने वालों ने ही कटवा दी सागौन,तीन वनरक्षक सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बानापुरा रेंज अंतर्गत बाली खोरा सर्किल के चिछवानी बीट में 110 से अधिक सागौन पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है सूचना मिलने पर डीएफओ गौरव शर्मा के निर्देश पर वन विभाग ने जांच कराई जिसमें तीन वनरक्षक-शुभरन चौहान, रूपेश साहू और महिपाल यादव-की संलिप्तता सामने आई। उन्हें निलंबित किया गया है। आरोप है कि वनकर्मियों ने वन माफियाओं के साथ मिलकर पेड़ों की कटाई कराई और लकड़ी को जंगल से बाहर भेजा तीनों को निलंबित कर दिया गया है जबकि संबंधित चौकीदारों को भी आरोपी बनाया गया है। वन विभाग के अनुसार, 29 मार्च को मिली सूचना के बाद 30 मार्च को बानापुरा रेंजर के नेतृत्व में 20 सदस्यीय टीम को मौके पर भेजा गया।

कॉलोनाइजर को राहत देने से खंडवा कोर्ट का इनकार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा शहर की जूनी इंदौर लाइन स्थित सुजापुर कला की विवादित जमीन को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए कॉलोनाइजर अभय जैन और आयुष जैन को राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि केवल रजिस्ट्री, नामांतरण या अन्य दस्तावेजों के आधार पर कब्जा साबित नहीं माना जा सकता, बल्कि मौके पर वास्तविक कब्जा किसका है, यही निर्णायक आधार होगा। यह मामला जमीन को लेकर अभय जैन पक्ष और रितेश गोयल पक्ष के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद से जुड़ा है। शांति भंग की आशंका के चलते पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 164 के तहत मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह देखना जरूरी है कि विवाद से पहले के 60 दिनों में जमीन पर वास्तविक कब्जा किसका था। जैन पक्ष द्वारा प्रस्तुत रजिस्ट्री, नामांतरण और सीमांकन जैसे दस्तावेज कब्जे की स्थिति सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। साथ ही कोर्ट ने यह भी माना कि जैन पक्ष ने पहले कब्जा स्थापित करने के लिए कोई ठोस कानूनी कदम नहीं उठाया। कोर्ट ने मामले को मूल रूप से लेन-देन से जुड़ा सिविल विवाद मानते हुए जैन पक्ष को सिविल कोर्ट जाने की सलाह दी और धारा 164 के तहत राहत देने से इनकार कर दिया। फैसले के बाद भी विवाद, हथियारों के साथ पहुंचे लोग कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बावजूद विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया। आरोप है कि अभय जैन के बेटे आयुष जैन और पिता कांतिलाल जैन 10-12 लोगों के साथ जेसीबी और वाहनों में सवार होकर विवादित जमीन पर कब्जा लेने पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ लोगों के पास धारदार हथियार थे और कांतिलाल जैन के हाथ में बल्लम जैसा हथियार देखा गया। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस गई और मामले को शांत कराया।

नाबालिग भांजे ने मामा को चाकू मारा, मौत इटारसी में घंटी बजाने के विवाद में किया हमला

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी शहर की राठी कॉलोनी 12 बंगला में गुरुवार देर रात नाबालिग भांजे ने मामा पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में मामा की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राठी कॉलोनी निवासी जागेलाल वर्मा (45) पर उनके भांजे आयुष भदौरिया (17) ने रात करीब 11:30 बजे हमला किया। चाकू के वार जांघ और कमर पर किए गए। जांघ की नस कटने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण जागेलाल वर्मा की मौत हो गई।

विवाद में भांजे ने मामा पर किया हमला : बताया गया है कि कॉलोनी में घर के बाहर घंटी बजाने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। कुछ लोगों ने इस संबंध में आयुष की मामा से शिकायत भी की थी। इसी बात को लेकर जागेलाल और आयुष के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। आयुष के जेब में रखे चाकू से मामा के कमर और जांघ पर हमला कर दिया।

आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया : पुलिस के अनुसार, आरोपी नाबालिग भांजा पिछले एक साल से अपने मामा जागेलाल के घर पर ही रह रहा था। इससे पहले वह न्यू यार्ड स्थित रेलवे सरकारी क्वार्टर में अवैध रूप से रह रहा था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी आयुष के पिता कुछ दिन पहले एनडीपीएस मामले में जेल गए हैं, जिसके बाद वह अपनी मां के साथ मामा के घर आया था। मृतक जागेलाल वर्मा और आरोपी आयुष भदौरिया दोनों रेलवे स्टेशन पर खानपान वेंडरिंग का काम करते थे। इटारसी पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

अग्निवीर पदों की भर्ती हेतु आवेदन की तिथि बढ़ी, अब 10 अप्रैल तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। अग्निवीर पदों की भर्ती हेतु अब आवेदक 10 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन अग्निवीरभर्ती 2026 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को भारतीय सेना द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूराकरना अनिवार्य है। अग्निवीर भर्ती 2026 में केवल वही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं जो आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता से संबंधित सभी शर्तों को पूरा करते हैं। पात्रता मानदंडों को पूरा न करने की स्थिति में उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अग्निवीर वैकेंसी 2026 के अंतर्गत भारतीय सेना अग्निवीर परीक्षा 2026 की विस्तृत पात्रता आयु सीमा 17.5 वर्ष से 21 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता में उम्मीदवार का 10वीं/मैट्रिक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, न्यूनतम 45 प्रतिशत कुल अंक तथा प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत अंक होना चाहिए। आवेदन भारतीय नागरिक होना चाहिए। इसी प्रकार पुरुष एवं महिला (पद के अनुसार) इंडियन आर्मी अग्निवीर रिक्रूटमेंट के तहत चयनित उम्मीदवारों को भारतीय सेना में आकर्षक वेतनपैकेज और भत्ते प्रदान किए जाएंगेअग्निवीर भर्ती 2026 के अंतर्गत शुरुआती वेतन लगभग 30,000 रूपए प्रति माह होगा, जिसमें समय-समयपर वार्षिक वृद्धि की जाएगी। इसके अलावा अग्निवीरों को जोखिम भत्ता, कठिनाई भत्ता सहित अन्य लागू भत्तेभी मिलेंगे। चार वर्ष की सेवा अवधि पूरी होने पर एक अग्निवीर को कुल वेतन पैकेज लगभग 6.92 लाख रूपए प्राप्त होगा। साथ ही सेवा समाप्ति पर अग्नि वीर वैकेंसी 2026 के अंतर्गतचयनित उम्मीदवारों को ब्याज सहित लगभग 11.71 लाख रूपए की सेवा निधि राशि दी जाएगी।

विद्युत समाधान योजना की अवधि 15 मई तक बढ़ाई गई

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। रायसेन,एजेंसी। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय व अंतिम चरण को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। पूर्व में यह योजना 31 मार्च तक लागू थी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी। मध्यप्रदेश सरकार की विद्युत समाधान योजना में 31 मार्च तक 27 लाख 47 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। कुल 1336 करोड़ 46 लाख रूपए जमा किए गए हैं, जबकि 450 करोड़ 31 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है।

मंदसौर में गोताखोरों ने बचाई जान गंभीर हालत में अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मौजूद गोताखोरों की सतर्कता से युवक की जान बचा ली गई। उसे पहले सुवासर ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय मंदसौर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार विनोद पिता जुझार लाल राठौर (25) निवासी ग्राम धानडी, थाना सुवासरा ने बसई नदी में छलांग लगा दी। विनोद ने बताया कि उसने यह कदम अपनी प्रेमिका से हुए विवाद के चलते उठाया। विनोद की शादी वर्ष 2021 में कृष्णा से हुई थी, उसकी 2 साल की एक बेटी है। पारिवारिक विवाद के चलते 1 जनवरी 2026 को दोनों का तलाक हो चुका है और तब से दोनों अलग रह रहे हैं। बताया गया है कि विनोद की पिछले एक साल से एक अन्य महिला से नजदीकि हो गई। महिला भी शादीशुदा है और करीब दो महीने से अपने पति से अलग होकर अपने मायके में रह रही है। उसके दो बच्चे भी हैं।

मंदिर में मुलाकात के दौरान बढ़ा विवाद: गुरुवार शाम विनोद और महिला की मुलाकात अजयपुर में हुई। इसके बाद दोनों पास स्थित चामुंडा माता मंदिर गए। यहां बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। विनोद के अनुसार, महिला ने उसे साथ ले जाने की जिद की और मना करने पर आत्महत्या की धमकी दी। इस पर विनोद ने कहा कि पहले वह अपने पति से कानूनी रूप से संबंध समाप्त करे, इसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

थाने तक पहुंचे, फिर भी नहीं बनी बात : विनोद के बताया कि विवाद बढ़ने पर दोनों शामगढ़ थाने पहुंचे। विनोद ने महिला से कहा कि वह अपने पिता को फोन कर स्थिति बताए, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद दोनों वहां से निकल गए और रास्ते में फिर से कहासुनी हो गई। मोबाइल तोड़ने के बाद बढ़ा तनाव रास्ते में विनोद ने महिला का मोबाइल देखा, जिसमें उनके मैसेज के स्क्रीनशॉट थे। इससे नाराज होकर उसने मोबाइल तोड़ दिया। इस पर महिला ने नया मोबाइल दिलाने की मांग की। विनोद ने पैसे नहीं होने की बात कहते हुए बसई चलकर उधार लेने की बात कही। इसी दौरान महिला रोने लगी और टूटा हुआ मोबाइल वापस मांगते हुए ।

नीमच में पहली पत्नी ने दूसरी पर किया हमला

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच शहर के केंट थाना क्षेत्र स्थित ईदगाह इलाके में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यहां एक व्यक्ति की पहली पत्नी ने अपने मायके पक्ष के साथ मिलकर दूसरी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में दूसरी पत्नी के गले और हाथ पर गंभीर चोटें आई हैं। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसके हाथ में करीब 10 टांके आए हैं। जानकारी के अनुसार, ईदगाह निवासी नसरीन (35) पति इमरान कुरैशी पर उसकी सौतन जुबैदा और उसके मायके पक्ष के लोगों ने हमला किया। घायल नसरीन ने बताया कि उसकी शादी एक साल पहले इमरान से पहली पत्नी की सहमति से हुई थी। हालांकि, पिछले छह महीनों से उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। नसरीन का आरोप है कि पहली पत्नी जुबैदा, इमरान पर उसे तलाक देने का दबाव बना रही है। इसी विवाद के चलते जुबैदा के परिजन बूंदी, राजस्थान से नीमच आए और नसरीन पर हमला कर दिया। पीड़िता नसरीन ने आरोप लगाया कि उसे बातचीत करने के बहाने धोखे से बुलाया गया और फिर अचानक हमला कर दिया गया। हमलावरों में जुबैदा, उसकी भाभी गुड्डो, हिना, सज्जू और छोटू सहित अन्य लोग शामिल थे।

सूदखोरों पर धमकाने का आरोप लगाया, पुलिस बोली- वीडियो की जांच कर रहे

युवक ने लाइव आत्महत्या का प्रयास किया

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के भेरूंदा क्षेत्र में गुरुवार शाम एक युवक के आत्महत्या के प्रयास का वीडियो सामने आया है। वीडियो में अशोक राठौर नाम का व्यक्ति खुद को सूदखोरों से परेशान बताते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में युवक का दावा है कि उसने 40 हजार रुपये 20 प्रतिशत ब्याज पर उधार लिए थे।

उसका आरोप है कि सूदखोर उसे लगातार धमका रहे हैं और हाथ-पैर तोड़ने की बात कह रहे हैं। युवक ने यह भी कहा कि दो बार ढाबे पर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और गालियां दी गईं। वीडियो के अंत में वह एक शीशी से पीते हुए दिखाई देता है और तीन लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहरा रहा है। सीहोर जिला अस्पताल में भर्ती : बताया गया है कि जहरीला पदार्थ खाने के बाद यह व्यक्ति भेरूंदा अस्पताल पहुंचा था जहां से उसको शाम 7 बजे रेफर कर दिया गया। रात लगभग 9 बजे सीहोर अस्पताल लाया गया जहां पर उसका उपचार किया जा रहा है।

पुलिस जांच में जुटी : यह मामला गुरुवार शाम का बताया जा रहा है, हालांकि अब तक वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। क्षेत्र के एसडीओपी रोशन कुमार जैन के अनुसार, वीडियो उनके संज्ञान में आया है, लेकिन इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने भेरूंदा अस्पताल में भी जांच कराई, जहां इस नाम का कोई व्यक्ति भर्ती नहीं मिला। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और वीडियो की सत्यता के साथ-साथ संबंधित व्यक्तियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

नर्मदापुरम में 2 बाइकों की टक्कर में दो की मौत,तीसरे की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम हरदा स्टेट हाईवे पर रतवाडा के पास दो बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना खतरनाक था कि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए। राहगीर और परिजनों ने उन्हें उठाकर नर्मदापुरम लेकर आएं। जिनमें दो युवकों को डॉक्टर ने मृत घोषित किया। तीसरे युवक की हालत नाजुक है।

जिला अस्पताल में उसका वेंटिलेटर पर उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक एक्सीडेंट में जान गंवाने वालों में पीयूष जोठे (18) निवासी नाला मोहल्ला इटारसी और आयुष मांडवी (20) निवासी आमुपुरा है। जानकारी के मुताबिक आयुष मांडवी भिलट देव बाबा के मेले में गया था। गुरुवार रात करीब 11 बजे वो अपने परिजन और साथियों के साथ अलग अलग बाइक से गांव लौट रहे थे। पीयूष रात 10 बजे घर से काम का कहकर निकला था। रात 11 बजे रतवाड़ा के पास दोनों बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ में आ रहे परिजन और राहगीरों ने प्राइवेट वाहन में रख नर्मदापुरम रवाना हुए। जहां दो युवकों ने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को शवों का पोस्टमार्टम हुआ। जिसके बाद परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

घटना स्थल का मुआयना किया : हादसे के बाद सुबह 11 बजे डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान घटना स्थल पर पहुंचे। मौका स्थल का मुआयना किया। जहां दोनों की बाइक क्षतिग्रस्त हालत में मिली। पंचनामे के बाद बाइक को थाना परिसर में ले जाया गया।

रायसेन में आंधी-बारिश से गेहूं की फसल आड़ी

किसान बोले- कटाई में अभी देरी सरकारी खरीद केंद्र शुरू नहीं हुए, चमक कम होगी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिला मुख्यालय पर गुरुवार रात करीब 11:30 बजे आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई। एक घंटे तक जारी रही इस बारिश से खेतों में खड़ी पकी हुई गेहूं की फसलें आड़ी हो गई और पानी में भीग गई।

किसानों का कहना है कि इस बारिश से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। आड़ी हुई फसलों के दोबारा सीधा होने की कोई संभावना नहीं है, जिससे कटाई का काम 8 से 10 दिन आगे बढ़ जाएगा। किसानों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे अब अपना कर्ज कैसे चुकाएंगे।

बारिश में भीगने और आड़ी होने के कारण गेहूं की फसल की चमक चली जाएगी। इसके अलावा, अब हार्वेस्टर भी आसानी से नहीं मिल रहे हैं, जिससे आड़ी हुई फसल को मजदूरों से कटवाना पड़ेगा, जो एक अतिरिक्त बोझ है।

किसान बोले- खरीदी भी नहीं की शुरू अब बारिश की भी मार

किसानों ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा अब तक सरकारी खरीद केंद्र शुरू नहीं किए गए हैं, जिससे उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। गौरतलब है कि बीते तीन दिनों से रायसेन जिले के कई स्थानों पर खड़ी फसल में आग लगने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे किसानों को पहले ही काफी नुकसान हो चुका है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार 1 अप्रैल से सरकारी गेहूं खरीदी केंद्र शुरू कर देती, तो वे अपनी फसल काटकर अब तक बेच चुके होते और उन्हें इस नुकसान का सामना नहीं करना पड़ता। रायसेन जिला मुख्यालय के मऊ पथराई रोड पर भी कई खेतों में गेहूं की फसल आड़ी हो गई है। यहां किसान रातभर किसान अपनी फसल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए बारिश में परेशान होते रहे।

ओवरलोड बालू ट्रैक्टर ने ट्रक को मारी टक्कर,चालक से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव क्षेत्र में नेशनल हाईवे-39 पर शुक्रवार तड़के एक ओवरलोड बालू ट्रैक्टर ने सोलर पैनल से लदे ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक के साथ मारपीट किए जाने और उसका मोबाइल फोन छीनने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, झांसी से छतरपुर जा रहे ट्रक को नैगवा के पास बालू से भरे ट्रैक्टर ने ओवरटेक करते समय टक्कर मारी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रैक्टर तेज रफ्तार में था और उसमें क्षमता से अधिक बालू भरी हुई थी। ओवरटेक के दौरान अचानक कट मारने से ट्रक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हाईवे पर फैली बालू : हादसे के बाद हाईवे पर बड़ी मात्रा में बालू फैल गई, जिससे अन्य वाहनों के लिए खतरा बढ़ गया। मौके पर मौजूद रामप्रकाश अवस्थी ने घायल ट्रक चालक की मदद की और राहत कार्य में सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन आरोप है कि मौके पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई।

ढाई लाख का 780 किलो अवैध गोंद जब्त

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के धुलकोट क्षेत्र में खंडवा से आई वन टीम ने गुरुवार शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 780 किलोग्राम अवैध गोंद जब्त किया। अनुमानित कीमत लगभग ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान एक आरोपी सुनील उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग को सूचना मिली थी कि बोरी गांव में एक गोदाम में बिना वैध अनुमति के गोंद का अवैध भंडारण किया जा रहा है।

खंडवा से आए सीसीएफ बसु कनौजिया की टीम ने तुरंत छापा मारा और गोदाम से गोंद जब्त किया। उड़नदस्ता प्रभारी शंकर चौहान के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। टीम में वन औपाल धीरज बोरसिया और असद खान भी शामिल थे। आरोपी सुनील उर्फ मुन्ना को पकड़कर गुरुवार रात धुलकोट रेंज के हवाले किया गया है। रेंज इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। अवैध गोंद तस्करी पर लगातार निगरानी की जा रही : बुरहानपुर जिले में समय-समय पर अवैध गोंद तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं।

हनुमान जयंती की शोभायात्रा में हादसा, नाबालिग की मौत: ब्रेकर पर डीजे के साउंड और फ्रेम टूटकर गिरा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मकरोनिया इलाके में गुरुवार देर रात हनुमान प्रकटोत्सव की शोभायात्रा के दौरान डीजे वाहन का साउंड और उसका फ्रेम गिरने से 14 वर्षीय आर्यन कुर्मी की मौत हो गई थी। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने घटना के विरोध में चक्काजाम कर दिया और आर्थिक सहायता, सरकारी नौकरी तथा कार्रवाई की मांग की।

गुरुवार रात मकरोनिया क्षेत्र में हनुमान प्रकटोत्सव के मौके पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे और डीजे की धुन पर लोग नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। जब शोभायात्रा कृष्णानगर क्षेत्र में होटल पैराडाइज के पास पहुंची, तभी हादसा हो गया। रास्ते में स्पीड ब्रेकर आने पर डीजे वाहन उछल गया। इसी दौरान पीछे लगा साउंड सिस्टम और लोहे का फ्रेम टूटकर नीचे गिर गया। डीजे के पीछे डांस कर रहे करीब छह लोग इसकी चपेट में आ गए।

नाबालिग की मौत, पांच घायल: हादसे में 14 वर्षीय आर्यन कुर्मी निवासी रजाखेड़ी के सिर में गंभीर चोट आई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हादसे में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ये लोग हुए घायल : घायलों में समीर कुचबंदिया (28) निवासी बहेरिया, कुलदीप राठौर (22) निवासी सिरोंजा, सुमित यादव (25) निवासी पुरानी मकरोनिया, कोमल अहिरवार (25) निवासी रजाखेड़ी और सत्यम वाल्मीकि (18) निवासी मकरोनिया शामिल हैं।

मौके पर मची अफरा-तफरी: हादसे के बाद शोभायात्रा में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डीजे वाहन को जब्त कर लिया है। सीएमपी योगेंद्र सिंह के अनुसार, शोभायात्रा के दौरान डीजे साउंड गिरने से यह हादसा हुआ है और मामले की जांच की जा रही है।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों का विरोध : शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन आक्रोशित हो गए और मकरोनिया के शांति रेस्टोरेंट के सामने चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे परिजनों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने समझाइश देकर खुलवाया जाम : चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश दी। काफी देर तक बातचीत के बाद प्रदर्शन समाप्त कराया गया और यातायात बहाल हुआ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद शोभायात्राओं में सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, खासकर डीजे वाहनों की फिटिंग और निगरानी को लेकर।

रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

दक्षिण अफ्रीका के लिए खेले 146 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 37 साल के धाकड़ बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए अपने संन्यास की घोषणा की। रासी वैन डर डुसेन ने एक्स पर लिखा, गर्व और शुक्रगुजार रहते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। यह सफर सालों के त्याग से बना है। डुसेन ने आगे लिखा, मेरे साथी खिलाड़ी, कोच, मेंटर्स और दोस्तों, मुझे इस कहानी का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है, और कई मायनों में, मैं अपनी जिंदगी का एहसानमंद हूं। युवा खिलाड़ियों को मेरी सलाह हमेशा यही रही है, और रहेगी, कि बड़े सपने देखो और अपने सपनों को पाने के लिए अपना सब कुछ लगा दो। मैंने खुद को कभी भी दूसरे इंसान से ज्यादा खास या प्रतिभावान नहीं माना। मैं अपना सबसे बड़ा सपना जी पाया हूं। आप भी जी सकते हैं—चाहे आपका सपना कुछ भी हो। फैंस के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका के लोगों और फैंस का धन्यवाद। सड़कों पर नारा सुनने या भरे हुए वांडरर्स स्टेडियम में गूंजने वाली आवाज के बीच बैटिंग करने के रोंगटे खड़े कर देने वाले अनुभव जैसा कोई एहसास नहीं है। जुड़ाव के उन पलों को बताना मुश्किल है, और वे इमोशन हमेशा मेरे साथ रहेंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप : आदित्य ने मूसा अलहौसौ को 5-0 से हराया, अगला मुकाबला मदामिनोव से होगा

उलानबटार, एजेंसी। भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के चौथे दिन (गुरुवार को) शानदार प्रदर्शन करते हुए अरब के मूसा अलहौसौ पर जीत हासिल की। मौजूदा नेशनल चैंपियन आदित्य ने पुरुषों की 65 किग्रा वर्ग में सऊदी अरब के मूसा अलहौसौ को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। मुकाबले के दौरान आदित्य पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे और अपने विरोधी के खिलाफ बेहतरीन तकनीक का इस्तेमाल किया। इस जीत के साथ, आदित्य अगले राउंड में पहुंच गए, जहां उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लाह मदामिनोव से होगा।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पूरे कॉन्टिनेंट से टॉप बॉक्सिंग टैलेंट शामिल हैं, और हर बाउट मेडल राउंड तक का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाता है। पहले दिन, भारत की प्रीति पवार और दीपक ने शानदार शुरुआत की।

महिलाओं की 54 किग्रा वर्ग में, विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा, जो पहले एशियन अंडर-22 चैंपियन (2025) रह चुकी हैं, पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

पुरुषों की 70 किग्रा वर्ग में, दीपक, जिन्होंने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में रजत पदक और एशियन यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2022 में कांस्य पदक जीता था, ने आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को 3-2 से हराया।

दूसरे दिन, भारत की प्रिया ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जदुमणि सिंह ने टॉप सीड को आखिर तक कड़ी टक्कर दी।

महिलाओं की 60 किग्रा श्रेणी में, प्रिया ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराया।

पुरुषों की 55 किग्रा श्रेणी में, जदुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया, और आखिर में 2-3 से हार गए।

भारत का दबदबा तीसरे दिन भी जारी रहा, जब विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और अपने-अपने भार-वर्ग में अगले राउंड में पहुंच गए।

पुरुषों के 50 किग्रा डिवीजन में मुकाबला करते हुए, विश्वनाथ सुरेश ने किर्गिस्तान के बेकजत एर्गेशोव को हराने के लिए जबरदस्त तकनीकी क्षमता और जागरूकता दिखाई। भारतीय मुक्केबाज ने शुरू से आखिर तक मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा, और निर्णायक मंडल से 5-0 से जीत हासिल की।

पुरुषों की 60 किग्रा भार वर्ग में सचिन ने मंगोलिया के बुयांदलाई बायरखू के खिलाफ शांत प्रदर्शन से भी प्रभावित किया। कांटे की टक्कर वाले इस मुकाबले में सचिन ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा और अपनी रणनीति को असरदार तरीके से लागू करते हुए 4-1 से स्प्लिट डिसीजन से जीत हासिल की।

जूनियर क्लब वर्ल्ड कप : मिनर्वा अकादमी की विराट जीत; अमेरिका की टीम को 4-1 से रौंदा, कोंथौजम चेतन ने दागे दो गोल

चंडीगढ़/मैड्रिड, एजेंसी। भारत का प्रतिनिधित्व कर रही मिनर्वा अकादमी ने जूनियर क्लब वर्ल्ड कप में अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। वॉरियर्स के नाम से मशहूर मिनर्वा के युवा खिलाड़ियों ने शारीरिक रूप से मजबूत मानी जाने वाली अमेरिका की बोका ऑरेंज क्लब टीम को 4-1 के बड़े अंतर से धूल चटाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूत मौजूदगी का संदेश दिया है। रणनीति का जादू- 4-3-3 फॉर्मेशन से ध्वस्त किया अमेरिकी डिफेंस मैच की शुरुआत से ही मिनर्वा ने अपनी रणनीतिक श्रेष्ठता साबित कर दी। कोच ने 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ हाई-प्रेसिंग गेम की रणनीति अपनाई, जिसने अमेरिकी टीम

की 4-4-2 वाली कॉम्पैक्ट संरचना को बिखरने पर मजबूर कर दिया। हालांकि अमेरिकी टीम ने काउंटर अटैक की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षकों ने उनके हर वार को नाकाम कर दिया।

मैच का रोमांच : मिनट दर मिनट दबदबा

15वां मिनटः चेतन तिवारी ने एक शानदार मूव को गोल में तब्दील कर मिनर्वा को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई।

19वां मिनटःअभी अमेरिकी टीम संभल भी नहीं पाई थी कि महज चार मिनट बाद कोंथौजम चेतन ने क्लीन फिनिश के साथ स्कोर 2-0 कर दिया। हाफटाइम तक मिनर्वा ने खेल पर पूरी पकड़ बनाए रखी।

दूसरा हाफः ब्रेक के बाद अमेरिकी टीम ने वापसी की कोशिश की और एक गोल दागकर स्कोर 2-1 किया, जिससे मैच में रोमांच बढ़ गया।

35वां मिनटः दबाव के क्षणों में कोंथौजम चेतन ने अपना व्यक्तिगत दूसरा और टीम का तीसरा गोल कर अमेरिकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया (3-1)।

46वां मिनटः मैच के अंतिम पलों में आजम खान ने अपनी गति और सटीकता का परिचय देते हुए चौथा गोल दागा और 4-1 की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कर दी।

आईपीएल 2026 : अभिषेक शर्मा पर लगा जुर्माना, अंपायर के फैसले पर जताई थी आपत्ति

कोलकाता, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शर्मा को एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। अभिषेक शर्मा ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है। आईपीएल की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अभिषेक ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को मान लिया। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला आखिरी और मानने वाला होता है। अभिषेक ने केकेआर के खिलाफ मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 48 रन की पारी खेली। उनका आउट होना विवादित रहा और अंपायर के फैसले पर उन्होंने नाराजगी जताई। दरअसल, वरुण चक्रवर्ती ने डाइव लगाते हुए अभिषेक का कैच

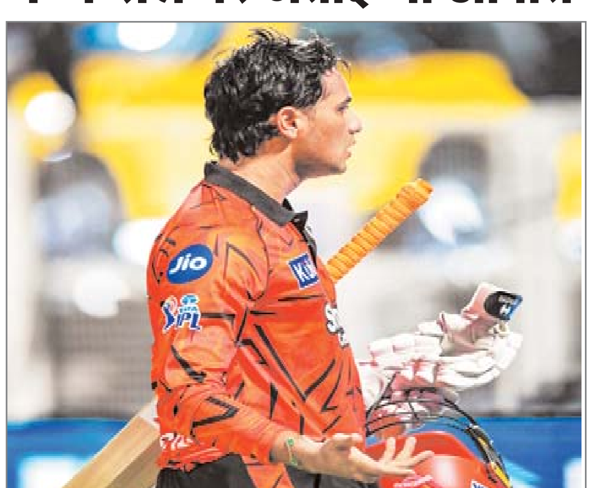

लिया था। उस समय ऐसा लग रहा था कि गेंद जमीन को छू गई है। यह घटना पारी के नौवें ओवर में हुई थी। थर्ड अंपायर ने कैच को वैध मानते हुए अभिषेक को आउट करार दिया। अभिषेक इस फैसले से सहमत नहीं थे और उन्होंने निराशा जताई। इस वजह से उन पर जुर्माना लगाया गया।

मैच की बात करें तो केकेआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच ने हेनरिक क्लासेन के 52, अभिषेक शर्मा के 48 और ट्रेविस हेड के 46 और नितीश कुमार रेड्डी के 39 रन की बदौलत 8 विकेट पर 226 रन बनाए थे।

227 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर 16 ओवर में 161 रन पर सिमट गई और 65 रन से मैच हार गई। केकेआर की यह लगातार दूसरी हार थी, जबकि एसआरएच ने अपने दूसरे मैच में पहली जीत दर्ज की।

आईपीएल के लिए नहीं मिली श्रीलंका क्रिकेट से एनओसी, तुषारा ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने तेज गेंदबाज नुवान तुषारा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेने के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) देने से मना कर दिया, जिसके बाद तुषारा ने कोलंबो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका दायर कर कानूनी दखल की मांग की है। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज को आईपीएल 2026 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट मिला था। इससे पहले, पिछले दो सीजन में भी उन्होंने बोर्ड की मंजूरी के साथ इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। हालांकि, न्यूज वायर श्रीलंका की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार एसएलसी ने उन्हें एनओसी देने से मना कर दिया है। बोर्ड का कहना है कि तुषारा जरूरी फिटनेस मानकों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। इस मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई, जिसमें कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 9 अप्रैल की तारीख तय की है। अपनी याचिका में, तुषारा ने एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, सचिव बंदुला दिसानायके, कोषाध्यक्ष सुजीवा गोदालियाद्दा और सीईओ एशले डी सिल्वा को प्रतिवादी बनाया है।

तुषारा ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि बोर्ड के साथ उनका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2026 को खत्म हो रहा है, उन्होंने पहले ही बोर्ड को बता दिया था कि वे इस कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाना चाहते। यह दावा किया कि उन्हें अब राष्ट्रीय टीम के चयन की योजनाओं से लगभग बाहर कर दिया गया है। ऐसे में, फिटनेस के आधार पर बोर्ड का यह रवैया बेतुका और गलत है।

अपनी याचिका में, गेंदबाज ने कहा है कि उनकी फिटनेस का स्तर आज भी वैसा ही है, जैसा पिछले वर्षों में था। उन वर्षों में उन्हें आईपीएल समेत कई विदेशी लीग में खेलने के लिए एनओसी दी गई थी। तुषारा ने दलील दी है कि अब उन्हें एनओसी देने से इनकार करना पूरी तरह से गलत है,

खासकर तब जब उनकी शारीरिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

याचिका में इस फैसले के पेशेवर और आर्थिक नतीजों पर भी रोशनी डाली गई है। इसमें कहा गया है कि अगर एनओसी नहीं मिलती, तो फ्रेंचाइजी उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुन सकती है। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा और वैश्विक टी20 प्रतियोगिताओं में उनके करियर को भी बड़ा झटका लग सकता है।

नुवान तुषारा ने अदालत से राहत की मांग करते हुए यह घोषणा करने की अपील की है कि उन्हें एनओसी पाने का अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरिम और स्थायी आदेश की भी मांग की है, ताकि एसएलसी उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय लीगों में खेलने की अनुमति दे। इस मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी, जबकि खिलाड़ी और राष्ट्रीय बोर्ड के बीच विवाद जारी है।

फीफा विश्व कप : ईरान के मैचों को अमेरिका की जगह मैक्सिको में कराने का मामला नहीं सुलझा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच फीफा और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल राजनीति (डिप्लोमेसी) एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले ने हालात को मुश्किल और जटिल बनाया था। ईरान की फुटबॉल टीम और उसके विश्व कप अभियान पर इसका सीधा असर पड़ा था। इस बीच फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और ईरानी फुटबॉल अधिकारियों के बीच तुर्की में हुई बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ईरान की विश्व कप भागीदारी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। हालांकि इस मुलाकात में सकारात्मक संकेत मिले, लेकिन एक बड़ा मुद्दा—ईरान के मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने का—अब भी अनसुलझा है। मार्च 2025 के दौरान ईरान

की स्थिति काफी अनिश्चित रही। सरकारी स्तर पर यह संकेत दिए गए कि टीम विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकती या उसे अमेरिका जाने में मुश्किल हो सकती है। यहां तक कि फीफा से यह भी मांग उठी कि ईरान के मैचों को किसी अन्य देश, खासकर मेक्सिको, में स्थानांतरित कर दिया जाए। हालांकि फीफा ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा और ईरान को अमेरिका में ही अपने मैच खेलने होंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों ने स्थिति को और उलझा दिया। ट्रंप ने पूर्व में ईरान को विश्व कप के लिए अहम न होने या फिर टीम के भाग लेने की स्थिति में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी। हालांकि फीफा लगातार एक स्पष्ट रुख अपनाए हुए है और इन्फेंटिनो ने भरोसा दिलाया है कि ईरान की टीम को सभी आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा दी जाएगी।

ईरान की टीम ने भी मुश्किल हालातों के बीच तैयारी जारी रखी है। जॉर्डन में प्रस्तावित अभ्यास मैचों को सुरक्षा कारणों से तुर्की के अंताल्या में शिफ्ट किया गया, जहां टीम ने नाइजीरिया और कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले खेले। इन मैचों के दौरान खिलाड़ियों ने युद्ध के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन भी किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना।

विश्व कप की तैयारियों के तहत ईरान 10 जून तक एरिजोना के टक्सन स्थित ट्रेनिंग कैंप में पहुंचेगा। टीम अपना पहला मैच 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उसे बेल्जियम और मिस्र जैसी मजबूत टीमों से भी भिड़ना है। हालांकि वीजा से जुड़ी समस्याएं अब भी बनी हुई हैं, जिससे टीम के कुछ अधिकारियों को अमेरिका में प्रवेश नहीं मिल पाया है।

कुल मिलाकर, यह स्थिति केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें राजनीति, कूटनीति और वैश्विक संबंधों की जटिलताएं भी शामिल हैं। फीफा के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वह खेल की निष्पक्षता बनाए रखते हुए सभी टीमों के लिए सुरक्षित और समान माहौल सुनिश्चित करे। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि ईरान की टीम इन चुनौतियों के बीच कैसा प्रदर्शन करती है और क्या फुटबॉल वाकई कूटनीतिक पुल का काम कर पाता है।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने, एजेंसी। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस ADD ने कहा, ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

पीड़ित और नर-नारायण की सेवा ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा

शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों को आवस्यक्तानुसार सहायक सांसद सतना ने चार दिवसीय दिव्यांग शिविर में वितरित किये उपकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि पीड़ित मानवता और नर-नारायण की सेवा ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा होती है उन्होंने कहा कि सतना और मैहर जिले के सभी दिव्यांग भाई-बहनों को उनकी आवश्यकतानुरूप कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। सांसद गणेश सिह सतना में शुक्रवार को उत्थान सेवा फाउंडेशन द्वारा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के सहयोग से बिड़ला मार्केट सतना के कम्युनिटी हाल में आयोजित चार दिवसीय दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण शिविर के दूसरे दिन दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण कर रहे थे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भगवती

प्रसाद पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स विवेक अग्रवाल रवीन्द्र सिंह सेठी, बालेन्द्र गौतम, अवध बिहारी, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण राजीव सिंह, के.के. शुक्ला, डॉ. अमर सिंह सहित सतना जिले के दिव्यांगजन उपस्थित रहे सांसद सतना गणेश सिंह के प्रयासों से सतना की संस्था उत्थान सेवा फाउण्डेशन द्वारा जयपुर की सामाजिक संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से सतना जिले के लिए दिव्यांगजनों के हितार्थ 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक कम्युनिटी हाल बिरला मार्केट सतना में निःशुल्क सहायता शिविर आयोजित किया जा रहा है। जहां दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम हाथ-पैर, व्हील चेयर, ट्राइसिकिल, कान की मशीन, कैलीपर्स एवं वैशाखी जैसी सहायक उपकरणों की सेवायें मुहैया कराई जा रही है। शिविर में नगर निगम सतना सहित सोहावल, उचेहरा, नागौद, रामपुर बघेलान, मझगवां जनपद पंचायतों तथा कोठी, कोटर, चित्रकूट, जैतवारा, बिरसिंहपुर सहित सभी अन्य नगरीय निकाय के दिव्यांगजन शामिल हो रहे है। शिविर में ही दिव्यांगजनों की नाप-जोखकर आन द स्पाट जयपुर फुट भी बनाकर दिये जा रहे है। शिविर के प्रथम दिवस 206 दिव्यांगजनों ने कृत्रिम अंग, उपकरण प्राप्त करने अपने पंजीयन कराये। सांसद सिंह ने शुक्रवार को शिविर में पहुंचकर दिव्यांगजनों का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किये। सांसद सिंह ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगों की सेवा का प्रण लिया है। इसी क्रम में संसदीय क्षेत्र के सतना और मैहर जिले के दिव्यांगजनों के हितार्थ समय-समय पर शिविर लगाकर सहायक उपकरण दिये गये है। जिससे जिले के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने में भरपूर मदद मिल रही है। सांसद ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सतना और मैहर जिले का कोई भी दिव्यांग व्यक्ति आवश्यक सहायक उपकरणों से वंचित नहीं रहे। सतना और मैहर जिले में 4-4 दिवसीय दिव्यांग शिविर उत्थान सेवा फाउण्डेशन द्वारा जयपुर की महावीर सेवा समिति के सहयोग से लगाये जा रहे है। प्रयास रहेगा कि शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध होंगे। शिविर से कोई भी दिव्यांगजन निराश होकर नहीं लौटे।

स्कूल चले हम अभियान में भविष्य से भेट कार्यक्रम अधिकारी 53 स्कूलों में जाकर बच्चों से करेंगे संवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्कूल चलें हम अभियान के तहत भविष्य में भेंट कार्यक्रम 4 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है जिले के द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को विभिन्न शालाओं में भेजा जायेगा जहां वे कालखंड में बच्चों के साथ संवाद करेंगे और उनका उत्साहवर्धन करेंगे। कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा जारी आदेश में अपर कलेक्टर मैहर संजना जैन को सीएम राइज मैहर, एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह को सीएम राइज अमरपाटन, एसडीएम रामनगर शिवप्रकाश मिश्रा को सीएम राइज रामनगर तथा एसडीएम मैहर दिव्या पटेल को शासकीय बालक हाईस्कूल शाला मैहर आवंटित किया गया है। मैहर जिले में 53 अधिकारी अपनी आवंटित शाला में जाकर एक कालखण्ड बच्चों से संवाद स्थापित करेंगे सतना जिले के अधिकारी 89 स्कूलों में करेंगे संवाद स्कूल चलें हम अभियान के तहत भविष्य में भेंट कार्यक्रम 4 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है जिले के द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को विभिन्न शालाओं में भेजा जायेगा जहां वे कालखंड में बच्चों के साथ संवाद करेंगे और उनका उत्साहवर्धन करेंगे। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेश में एसडीएम रघुराजनगर ग्रामीण एलआर जांगडे को शा.म.ल.क.उ.मा.वि. सतना, एसडीएम शहरी राहुल सिलाडिया को सीएम राइज स्कूल बगहा, एसडीएम मझगवां महिपाल सिंह गुर्जर को सीएम राइज स्कूल मझगवां, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य को सीएम राइज स्कूल नागौद एसडीएम उचेहरा सुमेश द्विवेदी को सीएम राइज स्कूल उचेहरा एसडीएम रामपुर बघेलान आर.एन. खरे को सीएम राइज स्कूल रामपुर बघेलान तथा डिप्टी कलेक्टर सुभाष मिश्रा को शासकीय हाईस्कूल कामता टोला सतना आवंटित किया गया है।

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने पगड़ी रस्म में पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम रीवा के महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने शहर के प्रतिष्ठित नागरिक मणिकांत माहेश्वरी के निवास पर आयोजित उनकी पूज्य माताजी की पगड़ी रस्म में सम्मिलित होकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। महापौर ताम्रकार ने कहा

कि माता जी का स्नेह, संस्कार और आशीर्वाद सदैव परिवार एवं समाज को दिशा देते रहेंगे। उनका सादा जीवन, उच्च विचार और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व भले ही हमारे बीच भौतिक रूप से नहीं रहते, लेकिन उनके आदर्श और शिक्षाएं सदैव जीवित रहती हैं।

पगड़ी रस्म के दौरान उपस्थित जनों ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन को याद किया। वातावरण भावुकता से भरा रहा, जहां परिजन और शुभचिंतक उनके साथ बिताए पलों को स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे थे महापौर ने ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक और समाजसेवी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने दिवंगत माताजी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नाली सफाई अभियान चलाया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पंचायत अमरपाटन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नाली सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य नगर क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखना एवं जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाना है। अभियान के दौरान नगर के विभिन्न वार्डों में नालियों की साफ-सफाई कर कचरा एवं गाद निकाली गई, जिससे जल निकासी व्यवस्था सुचारू हो सके। इस कार्य में नगर पंचायत के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी

(सीएमओ) सुषमा मिश्रा ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नियमित रूप से साफ-सफाई कार्य किए जा रहे हैं, ताकि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या न हो और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने नगरवासियों से भी अपील की कि वे नालियों में कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में नगर पंचायत का सहयोग करें।

6 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसानों को उर्वरक वितरण में पारदर्शिता, समयबद्धता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए जिले में लागू ई-विकास प्रणाली के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की है। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में 1 अप्रैल 2026 से उर्वरकों का शत-प्रतिशत वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किया जाना अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद 3 अप्रैल को जिले के 6 उर्वरक विक्रेताओं द्वारा बिना ई-विकास प्रणाली के किसानों को उर्वरक बेचने का मामला सामने आया। आईएफएमएस पोर्टल से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मे. गुप्ता खाद भण्डार बेला रामपुर बाघेलान, मे. जय कामतानाथ कृषि एवं खाद बीज भण्डार बर्रेह बड़ा अमरपाटन मैहर, मे. कुशवाहा कृषि सेवा केन्द्र बस स्टैण्ड ग्राम सलैया मैहर, मे. सावित्री एग्रो गोरइया रामपुर बाघेलान, मे. किशन खाद एजेंसी कोलगवां सोहावल, मे. चतुर्वेदी एग्रीकल्चर सरिसताल बाबूपुर सोहावल द्वारा बिना ई-विकास प्रणाली के उर्वरकों का विक्रय कृषकों को किया गया है। इसे उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का उल्लंघन मानते हुए उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास सतना आशीष पाण्डेय द्वारा संबंधित संस्थाओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान इन प्रतिष्ठानों द्वारा किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी साथ ही अन्य सभी उर्वरक विक्रेताओं को चेतावनी दी गई है कि बिना ई-विकास प्रणाली के उर्वरक बिक्री करने पर उनके खिलाफ भी इसी प्रकार की कार्यवाही होगी सभी विक्रेताओं से केवल ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक बेचने तथा खुली बोरी से बिक्री न करने की अपील की है।

मैहर आगमन पर सेवा दल प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत, संगठनात्मक गतिविधियों पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव एवं प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा के मैहर आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य और उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। रेलवे स्टेशन मैहर पर जिला अध्यक्ष धर्मेश घई तथा सेवादल जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया। स्वागत के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष भार्गव सीधे प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर दर्शन के पश्चात आयोजित बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिकेश पांडे ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया और मैहर ब्लॉक की संगठनात्मक गतिविधियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष मैहर जिले में

प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव को भार्गव ने तत्काल स्वीकृति प्रदान करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सेवा दल की भूमिका जमीनी स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने में अहम है, इसलिए सभी कार्यकर्ता सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करें। प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठनात्मक एकजुटता पर जोर दिया और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा दल समाज सेवा और जनहित के कार्यों के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करता है। कार्यक्रम के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष भार्गव सतना जिले के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर रमेश प्रजापति, मुकेश सेन, सुषमा अरजरिया, नरेंद्र शराफ, अखंड प्रताप सिंह, राजेंद्र शर्मा, अश्विनी द्विवेदी, अभिषेक सेन, अशोक उपाध्याय, किशन द्विवेदी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नान डीएम ने वेयरहाउस पर दी दबिश, चावल सैंपल जब्त उचेहरा पीडीएस में घटिया अनाज सप्लाई मामले में कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के उचेहरा ब्लॉक में राशन दुकानों में घटिया चावल सप्लाई का मामला सामने आया है। इस मामले में नागरिक आपूर्ति निगम (नान) के जिला प्रबंधक पंकज बोरसे ने गुरुवार को वेयरहाउस पर दबिश दी। उन्होंने यहां भंडारित चावल के नमूने जब्त कर जांच के लिए भेजे हैं। जानकारी के अनुसार, वेयरहाउस में लगभग 500 मीट्रिक टन चावल भंडारित ह जिसे विभिन्न राइस मिलों द्वारा जमा किया गया था। जांच के दौरान गायत्री राइस मिल अग्रसेन राइस मिल, आशीर्वाद राइस मिल और आशा राइस मिल द्वारा जमा किए गए चावल के नमूने लिए गए। प्राथमिक जांच में यही चावल उचेहरा क्षेत्र की राशन दुकानों में सप्लाई किया गया था।

यह मामला 28 मार्च को सामने आया था, जब जूनियर सप्लाई ऑफिसर (जेएसओ) धर्मेंद्र सिंह ने राशन दुकानों में वितरित किए जा रहे चावल में फफूंद लगने की गंभीर गड़बड़ी पकड़ी थी। उन्होंने तत्काल इसकी रिपोर्ट जिला आपूर्ति अधिकारी (डीएसओ) को सौंपी थी। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित चावल का उठाव करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक इस चावल का उठाव नहीं हो सका है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। बताया जा रहा है कि घटिया चावल जमा करने वाले मिलरों और संबंधित सर्वेयर पर कार्रवाई की जा सकती है। सैंपल जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी नान के जिला प्रबंधक पंकज बोरसे ने बताया कि उचेहरा क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खराब खाद्यान्न की शिकायत मिली थी। चार राइस मिलों के सैंपल लेकर जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन प्रमाण पत्र एवं शील्ड पाकर खिले स्वयंसेवकों के चेहरे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का ग्राम माधवगढ़ में सफलतापूर्वक समापन हो गया। 28 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित इस शिविर का समापन समारोह उत्साह, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन दिवस की शुरुआत प्रभात फेरी एवं श्रमदान से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने ग्राम में स्वच्छता एवं जन जागरूकता का संदेश दिया। अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने पशुओं के लिए पानी की नाद निर्माण, मंदिर परिसर की सफाई एवं वृक्षारोपण जैसे सराहनीय कार्य किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएसपी डी.पी. सिंह चौहान रहे, जबकि अध्यक्षता

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.सी. राय ने की। विशिष्ट अतिथियों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर एवं मिस साउथ एशिया मीनासिंह, विद्यालय प्राचार्य अनिल कुमार मिश्रा, जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत गीत के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथावंदे मातरम के साथ औपचारिक शुरुआत हुई। शिविर का प्रतिवेदन डॉ. मनीष प्रताप सिंह ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि चौहान ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट उपयोग एवं सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश दिया। वहीं मीनासिंह ने महिला सशक्तिकरण एवं बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि प्रतिभा

उम्र की मोहताज नहीं होती। प्राचार्य अनिल कुमार मिश्रा ने शिविर से विद्यालय में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना की। जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा ने माय ड्रीम माय कॉलेज संकल्प को साकार करने की प्रेरणा दी। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. एस.सी. राय ने कहा कि इस शिविर से स्वयंसेवकों में अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे।

दुर्गेश केसवानी बने भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता, संगठन ने जताया भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दुर्गेश केसवानी को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा की गई है, जिससे संगठन में उनके प्रति विश्वास और भरोसा स्पष्ट रूप से झलकता है। दुर्गेश केसवानी लंबे समय से भाजपा के समर्पित, सक्रिय और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी कार्यक्षमता और निष्ठा का परिचय दिया है। पार्टी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक क्षेत्र में उनकी पहचान एक प्रभावी वक्ता और संगठन के मजबूत पक्षधर के रूप में रही है। वे मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा

के करीबी समर्थकों में भी गिने जाते हैं। इससे पहले भी वे प्रदेश प्रवक्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सफल रहे हैं। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि दुर्गेश केसवानी अपनी नई जिम्मेदारी में भी पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करेंगे तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दुर्गेश केसवानी सिंधी समाज के प्रमुख और प्रभावशाली नेताओं में भी गिने जाते हैं। उनकी नियुक्ति से न केवल संगठन को मजबूती मिलेगी, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।